Web Portal
www.ghatatighatana.com
सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रकाशन...
G.G. News

घटती घटना

RNI REG.NO.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक- 013/रायगढ़/2020-2022

अम्बिकापुर, वर्ष 18,अंक - 256 बुधवार ,20 जुलाई 2022, पृष्ठ -8 मूल्य 2 रूपये

ज्ञान की बातें

जिसे उचित-अनुचित का विचार है,वही वास्तव में जीवित है,पर जो योग्य-अयोग्य का विचार नहीं रखता,उसी की गणना मृतकों में की जाएगी।

-तिरूवल्लुवर-

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए मार्गरिट अल्वा ने दाखिल किया नामांकन,राहुल,पवार समेत कई नेता रहे मौजूद

नई दिल्ली, 19 जुलाई 2022। देश में उपराष्ट्रपति का चुनाव होना है और इसके लिए सत्तारूढ़ एनडीए सहित विपक्षी दलों की ओर से प्रत्याशी के नाम घोषित किए जा चुके हैं। लंबे समय तक राजस्थान की सियासत का चर्चित चेहरा और वर्तमान में पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ को भारतीय जनता पार्टी और एनडीए ने उपराष्ट्रपति पद के लिए अपना उम्मीदवार घोषित किया है। वहीं पांच बार सांसद, केंद्रीय मंत्री और राज्यपाल रह चुकी मार्गरेट अल्वा को विपक्षी दलों ने अपना प्रत्याशी बनाया है। चुनाव प्रक्रिया के बीच नामांकन की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है।

विपक्ष की उपराष्ट्रपति पद की उम्मीदवार मार्गरेट अल्वा ने आज अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया। इस दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, एनसीपी प्रमुख शरद पवार, कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी, शिवसेना नेता संजय राउत एवं अन्य विपक्षी दल के नेता मौजूद थे। बता दें कि मार्गरेट अल्वा उपराष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष की ओर से साझा उम्मीदवार घोषित की गई हैं। एनसीपी चीफ शरद पवार ने इनके नाम का एलान किया था।

गांधी परिवार की वफादार रही हैं अल्वा

उपराष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष की साझा उम्मीदवार घोषित की गई मार्ग्रेट अल्वा कांग्रेस नेताओं की उस पीढ़ी से आती हैं जो लगातार गांधी परिवार की वफादार बनी रहीं। 1969 में उन्होंने इंदिरा गांधी के प्रति वफादारी के साथ कांग्रेस की राजनीति में कदम रखा था। गांधी परिवार से उनकी वफादारी चार दशक तक लगातार जारी रही और इस दौरान उन्हें इसका पूरा लाभ भी मिला। 1974 से 1998 तक पार्टी ने उन्हें लगातार राज्यसभा में भेजा। इसके बाद 1999 से 2004 तक वह लोकसभा की सदस्य रहीं। एक बार कैबिनेट मंत्री का पद भी संभाला। हालांकि 2004 में वह लोकसभा चुनाव हार गईं। बाद में वह राज्यपाल बनाई गईं।

साल 2008 में सोनिया गांधी से मतभेद

हालांकि, 2008 में पहली बार तात्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से उनका मतभेद हुआ। तब अल्वा ने कर्नाटक में पार्टी नेतृत्व पर टिकट बेचने का सार्वजनिक आरोप लगाया था। दरअसल उनके बेटे निवेदित अल्वा को टिकट देने से प्रदेश नेतृत्व ने इंकार कर दिया था।

मतभेद के बाद दिया था इस्तीफा

इसके बाद उनकी सोनिया गांधी से मुलाकात हुई जिसके बाद उन्होंने पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया। हालांकि कुछ समय बाद ही उन्होंने वापसी की और उन्हें उत्तराखंड का राज्यपाल बना दिया गया। वह उत्तराखंड की पहली महिला राज्यपाल थीं। उनके एक अन्य पुत्र निखिल अल्वा को राहुल गांधी का करीबी माना जाता है।

उपराष्ट्रपति चुनाव : मार्गरिट अल्वा को मिली वाई कैटेगरी की सुरक्षा, सामने आई बड़ी वजह

विपक्ष की ओर से उपराष्ट्रपति पद की उम्मीदवार मार्गरेट अल्वा ने आज नामांकन कर दिया है। हालाँकि, इसके पहले बीते दिन एनडीए उम्मीदवार जगदीप धनखड़ ने नामांकन भर दिया था। इसके साथ ही दोनों महत्वपूर्ण उम्मीदवार आधिकारिक तौर पर चुनाव के लिए मैदान में उतर चुके हैं। नामांकन भरने के बाद गृह मंत्रालय ने मार्गरेट अल्वा को वाई कैटेगरी की सुरक्षा दी है। आईबी की थ्रेट रिपोर्ट के आधार पर यह सुरक्षा दी गई है। बताया जा रहा है कि उपराष्ट्रपति के चुनाव होने और उसके रिजल्ट आने तक गृह मंत्रालय ने ये सुरक्षा दी है। दिल्ली पुलिस के जवान ये सुरक्षा देंगे।

संक्षिप्त समाचार

पैगंबर के खिलाफ टिप्पणी मामले में नूपुर शर्मा को बड़ी राहत, सुको ने गिरफ्तारी पर लगाई रोक

नई दिल्ली ,19 जुलाई 2022। भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा को पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ विवादास्पद टिप्पणी मामले में सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली है। पैगंबर के खिलाफ बयान देकर विवादों में घिरी शर्मा के खिलाफ देश के कई हिस्सों में एफआईआर दर्ज कराई गई थी। अदालत ने फिलहाल उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। नूपुर ने अपनी याचिका में देश भर में दर्ज विभिन्न मामलों को दिल्ली हाईकोर्ट ट्रांसफर करने की मांग की थी और गिरफ्तारी पर रोक लगाने की भी गुहार लगाई थी।

साथ ही जिन राज्यों में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज है, उन्हें नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। मामले की अगली सुनवाई 10 अगस्त तक होगी। नूपुर के खिलाफ यदि नई प्राथमिकी दर्ज होती भी है तो उनके खिलाफ कोई प्रतिकूल कार्रवाई नहीं होगी। नूपुर शर्मा के वकील ने कोर्ट से कहा कि सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बाद उन्हें लगातार धमकियां मिली हैं। याचिका में गिरफ्तारियां पर रोक लगाने एवं और नए एफआईआर दर्ज न करने की मांग की गई थी।

बता दें कि आठ अलग-अलग राज्यों में नूपुर के खिलाफ एफआईआर दर्ज हैं। कोलकाता पुलिस ने नूपुर के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने सभी एफआईआर एक साथ मिलाने पर राज्यों से उनका जवाब मांगा है।

दिल्ली के न्यू अशोक नगर में इमारत में लगी आग; 12 लोग बचाए गए

नई दिल्ली ,19 जुलाई 2022। यहां न्यू अशोक नगर इलाके में मंगलवार दोपहर एक चार मंजिला इमारत में आग लग गई। दमकल विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि 12 लोगों को बचा लिया गया है। अधिकारी ने कहा कि दोपहर 3.34 बजे आग लगने की घटना की सूचना मिली। 5 फायर टेंडर को तुरंत सेवा में लगाया गया। दिल्ली दमकल सेवा के प्रमुख अतुल गर्ग ने आईएएनएस को बताया, हमने अब तक इमारत से 12 लोगों को बचाया है। आग मुख्य रूप से इमारत की पहली मंजिल पर लगी थी। आग के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। घटनास्थल से मिले दृश्यों में इमारत से धुएं के घने गुब्बार निकलते दिखाई दे रहे हैं।

रेल यात्रियों के लिए खुशखबरी

अब ट्रेन में खाने-पीने के सामान पर नहीं देना होगा सर्विस चार्ज

नई दिल्ली , 19 जुलाई 2022। रेल में सफ़र करने वाले यात्रियों के लिए एक अच्छी खबर सामने आई है.रेल मंत्रालय ने प्रीमियम ट्रेनों में लगने वाले सर्विस चार्ज को खत्म कर दिया है.अब यात्री पानी, चाय सामान्य कीमत पर ले सकते हैं, लेकिन खाना के लिए 50 रुपये ज्यादा देने होंगे. इसको लेकर रेलवे ने IRCTC को सर्कुलर जारी किया है. अब उन यात्रियों के लिए जो टिकट बुकिंग में खाने का ऑप्शन नहीं सिलेक्ट करते उनको सर्विस चार्ज नहीं देना होगा. इससे पहले राजधानी, दुरंतो, शताब्दी और वंदे भारत ट्रेनों में टिकट बुकिंग करते समय खाने का ऑप्शन नहीं सिलेक्ट करने पर भी सर्विस चार्ज देना पड़ता था.

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था मामला- बीते दिनों 50 रुपये सर्विस चार्ज लेने का मामला उस समय सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जब एक यात्री ने बिल की तस्वीर शेयर की. यात्री ने एक कप चाय के लिए 70 रुपये चुकाए थे. तस्वीर में देखा गया कि यात्री ने 20 रुपये के चाय के लिए 50 रुपये का सर्विस चार्ज दिया. यह मामला 28 जून का है, उस समय वह यात्री शताब्दी एक्सप्रेस ट्रेन में दिल्ली से भोपाल जा रहा था।

सर्विस चार्ज को लेकर रेलवे का तर्क

रेलवे बोर्ड का तर्क है कि एडवांस टिकट बुकिंग में कैटरिंग ठेकेदार को जानकारी रहती है कि सफर के दौरान कितने यात्रियों को चाय, नाश्ता, दोपहर व रात का खाना देना है. लेकिन सफर के बीच में ऑर्डर मिलने पर खानपान का इंतजाम करने के लिए रेलवे को अगले स्टेशनों पर होटल-रेस्तरां आदि से खाना मांगना पड़ता है. इसके अलावा प्रत्येक ट्रेन में एडवांस बुकिंग के अलावा खाना लेकर चलने पर बिक्री नहीं होने से ठेकेदार को नुकसान उठाना पड़ता है. इसलिए सफर के दौरान खाना, चाय-कॉफी पर अतिरिक्त 50 रुपये सर्विस चार्ज का प्रावधान किया गया था।

अग्निपथ योजना में अब जाति को लेकर भाजपा और विपक्षी दलों के बीच छिड़ी जंग

नई दिल्ली, 19 जुलाई 2022। केंद्र सरकार द्वारा युवाओं को सेना में भर्ती होकर देश की सेवा करने का अवसर प्रदान करने के लिए अग्निपथ भर्ती योजना की शुरुआत की है। लेकिन केंद्र सरकार के इस महत्वाकांक्षी योजना शुरुआत से ही विवादों में रहा हैं और इसके विरोध में युवा सड़क पर उतर आए थे। इस योजना के विरोध में देश के कई राज्यों में जमकर उत्पात मचाया गया। विरोधस्वरूप विभिन्न राज्यों में करीब दो दर्जन से अधिक ट्रेनों को आग के हवाले कर दिए गए जिससे भारतीय रेलवे को करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ।

अग्निपथ भर्ती योजना को लेकर भारी विरोध के कारण केंद्र सरकार की ओर से नियमों में बदलाव कर भर्ती की प्रक्रिया शुरू की गई। अब इस योजना पर एक नई जंग शुरु हो गई है। अग्निपथ स्कीम में आवेदन करने वाले लोगों से जाति और धर्म का कॉलम भरवाने को लेकर छिड़ी राजनीतिक बहस पर भाजपा ने विपक्षी दलों पर हमला बोला है। इस मसले पर भाजपा के प्रवक्ता संबित पात्रा ने विपक्ष की मंशा पर सवाल खड़े किए हैं।

अग्निपथ में जाति और धर्म पूछे जाने पर सेना का जवाब-यह नया नहीं

यह जानते हुए भी संजय सिंह और अन्य पार्टियों के नेताओं ने जैसा सवाल उठाया है, वह दर्द देने वाला है। सेना में भर्ती की प्रक्रिया स्वतंत्रता से पहले की है, लेकिन अब इसे लेकर जानबूझकर राजनीति की जा रही है। पुरानी प्रक्रिया में किसी भी तरह का बदलाव मोदी सरकार द्वारा नहीं किया गया है। इसके बाद भी जानबूझकर भ्रम फैलाया जा रहा है ताकि सड़क पर आगजनी हो। यह भ्रम फैलाया जा रहा है कि देश को जाति के आधार पर बांटा जाए और राजनीति की जाए। अरविंद केजरीवाल तो वह आदमी है, जिन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक पर भी सवाल उठाया था।

उन्होंने कहा कि यह तो पुरानी ही व्यवस्था है। यहां तक कि 2013 में सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर हुई थी, जिसके जवाब में आर्मी ने कहा था कि यह एक प्रक्रिया बस है। उस वक्त यूपीए की सरकार थी, लेकिन उसके बाद भी सेना को अखाड़े में लाना और उसे बदनाम करना उचित नहीं है। सेना ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि हमारी भर्ती में धर्म का कोई स्थान नहीं है, लेकिन युद्ध में यदि कोई दुर्भाग्य से शहीद हो जाता है तो उसके अंतिम संस्कार के दौरान उसकी जरूरत होती है।

डीएसपी की हत्या:खनन माफियाओं ने डंपर से कुचला, मचा हड़कंप

नई दिल्ली, 19 जुलाई 2022। हरियाणा में खनन माफियाओं का दुस्साहस एक बार फिर सामने आया है.जानकारी के मुताबिक नूह में खनन माफियाओं ने डीएसपी पर गाड़ी चढ़ा दी. इससे डीएसपी सुरेंद्र कुमार की मौके पर ही मौत हो गई. बताया जा रहा है कि उप पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र कुमार तावडू में तैनात थे. वह तावडू की पहाड़ी में अवैध माइनिंग की सूचना पर छापा मारने गए थे. कार्रवाई के दौरान डीएसपी सुरेंद्र सिंह विश्नोई ने खननस्थल पर पत्थर से भरे ट्रक को रोकने की कोशिश की. तभी उन्हें टक्कर मार दी गई. टक्कर डंपर से मारी गई थी. इससे डीएपी की मौके पर ही मौत हो गई. वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए. पुलिस आरोपियों की तलाश में ताबड़तोड़ दबिश दे रही है।

कांवड़ियों की भीड़ के कारण 2 जिलों के स्कूल बंद,पढ़ने नहीं जा पाएंगे बच्चे

लखीमपुर खीरी, 19 जुलाई 2022। उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य के दो जिलों में श्रावण के महीने में प्रत्येक सोमवार को कक्षा 1 से 8 तक के सभी सरकारी और निजी स्कूलों को बंद करने का निर्देश दिया है. 18 जुलाई से प्रभावी यह आदेश बेसिक शिक्षा अधिकारी लखीमपुर खीरी द्वारा पारित किया गया था.

सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट का हवाला देते हुए, बीएसए लक्ष्मीकांत पांडेय के आदेश में कहा गया है कि, श्रावण के प्रत्येक सोमवार को गोला गोकर्णनाथ की तीर्थ यात्रा पर भक्तों/कांवड़ियों की भारी भीड़ को देखते हुए बंद किया गया था. भीड़भाड़ से यातायात की समस्या भी होगी और आने-जाने में भी परेशानी होगी. आदेश में कहा गया है कि सभी चार सोमवारों को बंद रहने वाले सरकारी प्राथमिक स्कूलों के 82 शिक्षकों को सुबह 7 बजे से दोपहर 1 बजे तक गोला गोकर्णनाथ के प्रसिद्ध शिव मंदिर में मौजूद कांवड़ियों के रूप में सेवा करने और सहायता करने के लिए कहा गया है.

बीएसए लक्ष्मीकांत पांडेय ने कहा है, ÷भक्तों की अधिक भीड़ के कारण मंदिर से 3 किलोमीटर के आसपास के स्कूल बंद हैं. किसी भी दुर्घटना से बचने के लिए स्थानीय प्रशासन द्वारा निर्णय लिया जाता है. भारी भीड़ को प्रबंधित करने के लिए बैरिकेडिंग की जाती है. गोला क्षेत्र में इंटर कॉलेज भी बंद हैं.÷ एक अन्य आदेश में कांवड़ियों की भारी भीड़ को देखते हुए मेरठ जिले के सभी स्कूलों को बंद कर दिया गया है. बीएसए मेरठ योगेंद्र कुमार ने बताया कि, जिलाधिकारी के निर्देश के आधार पर कक्षा 1 से 8 तक के सभी स्कूल 19 से 25 जुलाई तक बंद रहेंगे।

बाबा की शाही सवारी:राजसी ठाठ-बाट के साथ नगर भ्रमण पर निकले बाबा महाकाल, एक झलक पाने लालायित दिखे भक्त

उज्जैन, 19 जुलाई 2022। श्रावण माह के पहले सोमवार को राजसी ठाठ-बाठ के साथ भगवान महाकाल की पहली सवारी निकली गई। बाबा की एक झलक पाने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। शाही यात्रा में सैकड़ों भक्त शामिल हुए। नगर में जगह-जगह बाबा महाकाल का पूजन-स्वागत किया गया।

सबसे पहले सभा मंडप में बाबा महाकाल का मनमहेश रूप में पूजा की गई। साथ ही गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। कलेक्टर ने परिवार समेत महाकाल का पूजन किया। इसके बाद पालकी पर सवार होकर बाबा महाकाल नगर भ्रमण पर निकले। सवारी में सबसे आगे अश्वारोही दल, पुलिस बैंड, नगर सैनिक और सशस्त्र बल की टुकड़ी मार्च पास्ट करते चल रही थी।

मोक्षदायिनी शिप्रा के तट पर जल से भगवान का अभिषेक कर पालकी गोपाल मंदिर पहुंची है। यहां हरि-हर का मिलाप के बाद सवारी वापस महाकाल मंदिर के लिए रवाना हो गई है। बता दें कि श्रावण-भादौ माह के प्रत्येक सोमवार को महाकाल की सवारी निकलती है। जनता का हाल जानने के लिए राजा महाकाल निकलते हैं।

बाबरी विध्वंस मामला:32 लोगों को बरी करने को चुनौती वाली याचिका पर इलाहाबाद हाईकोर्ट 1 अगस्त को करेगा सुनवाई

लखनऊ, 19 जुलाई 2022। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने बाबरी विध्वंस मामले में पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री कल्याण सिंह, भाजपा के वरिष्ठ नेता मुरली मनोहर जोशी, उमा भारती, विनय कटियार, साध्वी ऋतंभरा, बृजभूषण शरण सिंह समेत सभी 32 आरोपियों को बरी किए जाने के फैसले को चुनौती देने वाली पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई की. इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने याचिका को आपराधिक याचिका में बदलने का आदेश दिया सुनवाई की अगली तारीख 1 अगस्त तय की.

यह आदेश न्यायमूर्ति दिनेश कुमार सिंह की पीठ ने दिया. हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति दिनेश कुमार सिंह ने आदेश में कहा कि सभी 32 आरोपियों को बरी करने के खिलाफ दायर पुनरीक्षण याचिका सुनवाई योग्य नहीं थी, इसलिए उन्होंने अपने कार्यालय को संशोधन कर याचिका को आपराधिक अपील के रूप में बदलने का निर्देश दिया. इस याचिका पर सुनवाई पहले 11 जुलाई को होनी थी, लेकिन वकीलों ने स्थगन का अनुरोध किया था. पीठ ने अनुरोध स्वीकार करते हुए इसे सोमवार के लिए सूचीबद्ध किया, साथ ही आगाह किया था कि वह सुनवाई दोबारा स्थगित नहीं करेगी.

पीठ अयोध्या के दो निवासियों हाजी महमूद अहमद और सैयद अखलाक अहमद की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई करेगी. याचिका में कहा गया है कि दोनों याची इस मामले में न सिर्फ गवाह थे, बल्कि घटना के पीड़ित भी हैं. कारसेवकों ने 6 दिसंबर 1992 को बाबरी मस्जिद को गिरा दिया था. सीबीआई की विशेष अदालत ने इस मामले में 30 सितंबर 2020 को आरोपी के रुप पर नामजद सभी 32 आरोपियों को बरी कर दिया था.

चौकी इंचार्ज का रिश्वत लेते वीडियो वायरल

त्रिलोकपुर, 19 जुलाई 2022। चुलबुल पाण्डेय के नाम से मशहूर दरोगा कन्हैया पाण्डेय को पुलिस कप्तान ने लाइन हाज़िर किया है. पिछले दिनों पीड़ित से रिश्वत लेने का वीडियो वायरल हुआ था. कन्हैया पाण्डेय कोतवाली मसौली की त्रिलोकपुर पुलिस चौकी के प्रभारी थे. बता दें कि चार दिन पहले पुलिस कप्तान अनुराग वत्स ने कन्हैया को जिले के सबसे बेहतर चौकी प्रभारी का प्रमाण पत्र दिया था.

बता दें कि बाराबंकी के मसौली थाना के हबीबपुर गांव निवासी सियाराम वर्मा ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर चौकी इंचार्ज त्रिलोकपुर कन्हैया पांडेय पर गंभीर आरोप लगाते हुए रिश्वत लेने का वीडियो भी दिखाया. इसके बाद दरोगा को लाइन हाजिर किया गया है. पीड़ित का पुश्तैनी मकान कच्चा बना था. रास्ते को लेकर विवाद के मामले में चौकी इंचार्ज द्वारा दस हजार की घूस देने का वीडियो भी पीड़ित व उनके सहयोगियों द्वारा बना लिया गया. पुलिस अधीक्षक से शिकायत के बाद वीडियो वायरल भी हो गया. जिसमें चौकी इंचार्ज द्वारा रुपए गिनता हुआ दिखाया गया है.

वायरल वीडियो को लेकर पुलिस अधीक्षक अनुराग वत्स ने सख्त कार्रवाई की. उन्होंने तत्काल कार्यवाही करते हुए आरोपी चौकी प्रभारी को लाइन हाजिर कर दिया. जांच अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी को सौंपी है. साथ ही 24 घंटे में रिपोर्ट तलब की है. पुलिस अधीक्षक अनुराग वत्स ने बताया कि चौकी प्रभारी द्वारा रिश्वत लिए जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. चौकी प्रभारी को लाइन हाजिर किया गया है. मामले की जांच एएसपी उत्तरी को दी गई है. 24 घंटे में रिपोर्ट मांगी गई है.

संपादकीय

75 साल पर 75 कार्यक्रम!

भारत की आजादी के 75 साल पूरे हो रहे हैं इसलिए पिछले एक साल से अनेक कार्यक्रम चल रहे हैं। देश में अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। इसके बाद के 25 साल को यानी आजादी के सौ साल पूरे होने तक के समय को अमृत काल कहा गया है। सो, चारों तरफ इस बात की होड़ लगी है कि 75 साल पूरे होने के मौके पर क्या ऐसा किया जाए, जिसमें 75 के अंक का इस्तेमाल हो। सिर्फ सरकारी एजेंसियां ही इस होड़ में नहीं शामिल हैं, देश का निजी सेक्टर भी इस होड़ में शामिल हो गया है। अभी पूरे देश में सामानों की खरीद पर 75 फीसदी की छूट का ऐलान होने ही वाला है।

बहरहाल, केंद्र सरकार ने 75 दिन तक वैक्सीन की प्रिकॉशन डोज फ्री में लगाने का ऐलान किया है। यह सबसे कमाल का काम है। एक साल से ज्यादा समय से देश भर के लोगों को मुफ्त में वैक्सीन लगाई जा रही है। इसका देश भर में प्रचार भी हुआ है और थैंक्यू मोदीजी का अभियान भी चला था। लेकिन अब 18 से 60 साल की उम्र के लोगों के लिए 75 दिन तक बूस्टर डोज फ्री में लगाने का अभियान चल रहा है। शुक्रवार यानी 15 जुलाई से यह अभियान शुरू हो गया। हकीकत यह है कि देश में बूस्टर डोज को लेकर बहुत उत्साह नहीं दिख रहा है। देखते हैं कि 75 दिन के इस अभियान में क्या तेजी आती है।

इसके बाद पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने एक अनोखी पहल की। मंत्रालय ने कहा है कि आजादी के 75 साल पूरे होने के मौके पर देश के 75 समुद्र तटों की सफाई कराई जाएगी। सोचें, देश में समुद्र तटों की संख्या हजारों में है और हर जगह सफाई की जरूरत है। लेकिन आजादी के अमृत महोत्सव के मौके पर सिर्फ 75 समुद्र तटों की सफाई होगी। इस विभाग के मंत्री जितेंद्र सिंह हैं। उन्होंने इसमें एक और खास काम किया है। इसकी शुरुआत तीन जुलाई को हुई थी और समापन 17 सितंबर को होगा, जिस दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन है। उस दिन वैसे अंतरराष्ट्रीय समुद्र तट सफाई दिवस भी मनाया जाता है।

इससे पहले खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मार्च 2021 में अहमदाबाद में अमृत महोत्सव का आगाज कर दिया था। उन्होंने कहा था कि आजादी के 75 साल पूरे होने के मौके पर अगले 75 हफ्ते देश में हर दिन कोई न कोई कार्यक्रम होगा। उसी समय प्रधानमंत्री ने कहा था कि वे स्कूल-कॉलेजों से आग्रह करेंगे कि वे कानूनी लड़ाई की 75 घटनाएं तलाशें। उन्होंने 75 आइडिया, 75 घटनाएं, 75 उपलब्धियां, 75 संकल्प आदि की भी बात कही थी। इस आधार पर देश भर में 75 को केंद्र में रख कर अभियान चल रहा है। कहीं 75 कविताएं लिखी जा रही हैं तो कहीं 75 निबंध लिखवाए जा रहे हैं।

श्रीलंका अब किधर?

नई सरकार के सामने सबसे पहली चुनौती देश में परस्पर विरोधी नजरिए की वकालत कर रही ताकतों के बीच न्यूनतम सहमति बनाने की होगी। ऐसा वो नहीं कर पाई, तो श्रीलंका भंवर में फंसा रहेगा।

श्रीलंका में जन विद्रोह का नजारा दिखा। तीन महीनों से भी ज्यादा समय से आंदोलनकारी राष्ट्रपति गोटबया राजपक्षे का इस्तीफा मांग रहे थे। लेकिन वे ना तो गहराते आर्थिक संकट से लोगों को राहत दिलावा पाए और ना ही पद छोड़ने को राजी हुए, तो आंदोलनकारियों ने क्रांतिकारी तरीका अपनाया। बहरहाल, अब जबकि देश की सत्ता एक नई सर्वदलीय सरकार संभालने जा रही है, तो सबसे अहम सवाल यही है कि देश आगे किस रास्ते पर जाएगा? स्पष्टतः श्रीलंका में आंदोलनकारियों के बीच भी इस सवाल पर गहरे मतभेद हैं। ये बात उनके बयानों से जाहिर हुई है। इस दौरान परस्पर विरोधी बातें कही गई हैं। साफ है कि इससमय देश में मौजूद परस्पर विरोधी दृष्टिकोण मैजूद हैं। इसलिए अगली सरकार के लिए आर्थिक कार्यक्रम तय करना आसान नहीं होगा। एक राय है कि देश में तुरंत राजनीतिक स्थिरता बहाल कर सख्त राजकोषीय उपाय लागू किए जाने चाहिए। नई सरकार को तुरंत आर्थिक सुधारों को प्राथमिकता देनी चाहिए, जिससे अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से कर्ज मिलने का रास्ता साफ हो सके। यह समाज के अपेक्षाकृत सुविधा-संपन्न तबकों की राय है। जबकि आंदोलनकारियों के एक अन्य समूह ने खुला पत्र जारी कर चेतावनी दी है कि नई सरकार आईएमएफ की शर्तों को मान कर जनता की मुश्किलें ना बढ़ाए।

गौरतलब है कि आईएमएफ ने सरकारी उद्यमों के बड़े पैमाने निजीकरण और जनता पर टैक्स बढ़ा कर राजकोषीय सेहत बहाल करने की शर्त रखी है। आशंका है कि आईएमएफ की शर्तों को मानने का परिणाम बड़े पैमाने पर रोजगार खत्म होने, औसत वेतन में गिरावट, पानी और बिजली के शुल्क में बढ़ोतरी, और जन कल्याण के कार्यों में और कटौती के रूप में सामने आएगा। उससे पहले से ही मुसीबत में पड़े लोगों की मुश्किलें और बढेंगी। तो रास्ता क्या है? सरकार संसाधन कहां से लाएगी? तो वामपंथी रुझान वाले संगठन वकालत कर रहे हैं कि वह बैंकों, बड़ी कंपनियों, चाय बगानों आदि का राष्ट्रीयकरण करे। उत्पादन एवं वितरण के ऊपर सरकारी नियंत्रण कायम किया जाए। अरबपतियों के धन को जब्त कर राजकोषीय सेहत बहाल किया जाए। यानी राजपक्षे परिवार को सत्ता से हटाने के लिए इकट्ठा हुए आंदोलनकारियों के तमाम गुटों में वैचारिक एकता नहीं है। ऐसे में नई सरकार क्या करेगी, ये अहम सवाल है।

इस्तीफा है या रिश्तों की दरार?

रवि सिंह
कटकोना
कोरिया (छत्तीसगढ़)

» टीएस के इस्तीफे में जो वजह है वह सरकार को कठघरे में खड़ा करती है?
» इस्तीफा टीएस ने दिया पर तकलीफ विधायकों को क्यों? क्या विधायकों का कद टीएस से बड़ा या मुख्यमंत्री से छोटा?
» क्या मुख्यमंत्री के करीबी बनने के लिए विधायकों ने टीएस के प्रति छेड़ा मुहिम या वास्तव में चाहते हैं पार्टी हित?
» तकलीफ सहते रहो तो सब ठीक तकलीफ को उजागर करो तो सब गड़बड़?

छत्तीसगढ़ में 15 सालों का सूखा भोग चुकी प्रदेश कांग्रेस को यदि सफलता मिली और वह सत्ता में वापसी कर सकी तो इसके पीछे की सबसे बड़ी वजह छत्तीसगढ़ कांग्रेस के कद्दावर नेता और मंत्री टी एस सिंहदेव का इसमे सबसे बड़ा योगदान रहा और उनके द्वारा पूरे प्रदेश में भ्रमण कर बनाई गई जन घोषणा पत्र ही इसकी मुख्य वजह बनी इससे कतई कोई इंकार नहीं कर सकता, क्योंकि सभी को मालूम है कि जन घोषणा पत्र लोकलुभावन था और सभी वर्गों सहित सभी कर्मचारी संघो तक से बातचीत करके उसे टी एस सिंहदेव ने तैयार किया था और वही एक वजह थी जो लोगों ने कांग्रेस पर विश्वास जताया और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार 15 साल बाद बन सकी। टीएस सिंहदेव छत्तीसगढ़ के कद्दावर नेता हैं यह कहना फिलहाल तो गलत नहीं है लेकिन जिस तरह का व्यवहार उनके साथ इन सरकार के साढ़े तीन सालों में हुआ, उसको देखते हुए अब लगता है कि वह कद्दावर नेता कांग्रेस के हुआ करते थे यह कहना अब प्रारंभ करना पड़ेगा।

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को जब बम्पर बहुमत प्राप्त हुआ तो ऐसा लगा था कि प्रदेश में कांग्रेस की 15 सालों बाद वापसी का श्रेय टीएस सिंहदेव को मिलेगा और उन्हें प्रदेश की कमान बतौर मुख्यमंत्री सौंपी जाएगी लेकिन ऐसा ना होते हुए प्रदेश में भूपेश बघेल को नेतृत्व मिला और अंदरखाने से ढाई ढाई साल के फार्मूले की बात सामने आई। ढाई साल किसी तरह बीते और जब टीएस सिंहदेव को लगातार दिल्ली की दौड़ लगाते देखा जाने तो इस बात पर विश्वास बढ़ने लगा कि ढाई ढाई साल का कोई फार्मूला जरूर था जिसे तब और बल मिलता गयं जब विधायकों को दिल्ली में डेरा जमाए देखा गया और भूपेश बघेल के पक्ष में अपना समर्थन देने की बात करते सुना गया, टीएस सिंहदेव ने भी ढाई ढाई साल वाले किसी फार्मूले पर यही कहा कि जो है वह सामने आएगा और वह दिल्ली की दौड़ लगाते रहे। दिल्ली दौड़ में टीएस सिंहदेव को मुख्यमंत्री का पद तो नहीं मिला बल्कि उनकी छवि पर काफी हद तक असर डालने का प्रयास किया गया जिसमें बलरामपुर विधायक का जान से मारने का आरोप जिला कांग्रेस भवन उद्घाटन कुछ ऐसे अवसर आये जहां उनकी छवि उनकी कद को छोटा करने का प्रयास किया गया।

टीएस सिंहदेव लगातार शांत रहे और उन्होंने मुखर होकर साढ़े तीन सालों तक कुछ नहीं कहा यह सर्वविदित रहा लेकिन अचानक उन्होंने अपने मंत्री पद से जो उनके विभिन्न मंत्रालयों में से एक महत्वपूर्ण विभाग का मामला है से

स्तीफा दे दिया तब माहौल गर्म दिखा और टीएस सिंहदेव की नाराजगी खुलकर सामने आई। टीएस सिंहदेव के स्तीफे में जो बात समझ मे आई वह यही रही कि उन्हें मुख्यमंत्री का पद तो देना दूर उनके मंत्रालयों के विभागों में भी उनकी नहीं चलती उनकी नहीं सुनी जाती जिस वजह से उन्होंने स्तीफा दिया है। टीएस सिंहदेव का कद आज एक आम विधायक जो मुख्यमंत्री खेमे का हो उससे भी कम है यह कहना भी गलत नहीं होगा क्योंकि टीएस सिंहदेव को पार्टी सहित सरकार में किनारे करते हुए सरकार चल रही है यह प्रतिदिन घट रही घटनाओं से साफ जाहिर है। टीएस सिंहदेव पर उनके कद पर केवल मुख्यमंत्री की तरफ से ही उसे छोटा करने का प्रयास किया जा रहा है ऐसा कहना गलत होगा, टीएस सिंहदेव के साथ पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व भी सौतेला व्यवहार कर रहा है यह साफ समझ मे आ रहा है। अब हाल फिलहाल में टीएस सिंहदेव के स्तीफे वाली घटना को ही यदि लिया जाए तो बताया जा रहा है कि 62 विधायकों ने टीएस सिंहदेव पर विपक्ष की तरह प्रहार सरकार पर करने का आरोप लगाया है और टीएस सिंहदेव की बर्खास्तगी की मांग केंद्रीय नेतृत्व को पत्र लिखकर की है।

अब विधायकों के द्वारा टीएस सिंहदेव की बर्खास्तगी के लिए केंद्रीय नेतृत्व को पत्र लिखा जाना सूरज को दिया दिखाने जैसा ही मामला कहा जा सकता है क्योंकि टीएस सिंहदेव ने कभी मुखर होकर किसी का विरोध नहीं किया और ना ही पार्टी नेतृत्व पर ही कोई सवाल उठाए, अपने ही मंत्रालय में अपना निर्णय नहीं ले पाने की व्यथा में यदि उन्होंने स्तीफा दिया भी है तो वह मुख्यमंत्री व उनके बीच का मसला है और मुख्यमंत्री चाहते तो उनसे बात कर मामले का निपटान कर लेते। विधायकों से पत्र मुख्यमंत्री ने ही लिखवाया है और उन्होंने ने ही केंद्रीय नेतृत्व के समक्ष यह पत्र प्रेषित करने विधायकों को कहा है यह स्पस्ट रूप से समझ मे आ रहा है क्योंकि मुख्यमंत्री की तरफ से यह एक तरह से अपने पक्ष में खड़े विधायकों की सूची भी होगी जो केंद्रीय नेतृत्व के पास पहुंचेगी। टीएस सिंहदेव को सच्चा कांग्रेसी नहीं मानने के मामले में भी यदि बात की जाए तो एक ही बात समझ मे एक ही बात आएगी जहां उन्होंने इतने विरोधों और अपने लगातार अपमान को सहते हुए एक बार भी पार्टी के खिलाफ कुछ नहीं कहा वहीं मुख्यमंत्री के पिता ने तो कई बार अम्बिकापुर आकर टीएस सिंहदेव को चुनाव में पराजित करने की बात तक कह डाली। टीएस सिंहदेव ने सरलता सहजता बनाये रखी कायम रखी और अब जब सर से पानी उपर जाने लगा तब उन्होंने स्तीफा दिया यह समझा जा सकता है। वैसे छत्तीसगढ़ में घट रहे नए राजनीतिक घटनाक्रम में विपक्ष की कोई भूमिका बिल्कुल भी सामने नहीं आ रही है लेकिन एकबात बिल्कुल तय माननी चाहिए वह यह कि कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व में कहीं न कहीं बड़ी कमजोरी है जो वह पूरे मामले में दखल देकर मामले को निपटाने की बजाए टी सिंहदेव को ही निपटाने के प्रयास में लग गई है। टीएस सिंहदेव को यदि कांग्रेस पार्टी अपना नहीं मानती फिर यह भी तय है कि कांग्रेस में राजनीति सीमित लोगों के बीच ही सीमित हो गई है वहीं पद की दौड़ ज्यादा है वहीं नेतृत्व केवल इसलिए मजबूर है क्योंकि रहे सहे दो राज्यों तक ही कांग्रेस सिमट चुकी है और उसे डर है कि छत्तीसगढ़ से भी सफाया न हो जाये। टीएस सिंहदेव को मुख्यमंत्री नहीं बनाए जाने के पीछे एकबात और समझ मे आ रही है जो सच भी जान पड़ती है और वह यह कि जन घोषणा पत्र प्रभारी टीएस सिंहदेव थे और उन्होंने जमकर जन घोषणा पत्र में घोषणा चुनाव पूर्व की थी अब जबकि घोषणाओं को पूरा करने का सरकार पर दबाव है ऐसे में सरकार यह कहकर बच निकलने के फिराक में भी है कि घोषणाएं टीएस सिंहदेव की थीं और मुख्यमंत्री और सरकार का कोई लेना देना नहीं। केवल जन घोषणा पत्र की ही बात की जाए तो फिलहाल जन घोषणा पत्र की आधे से ज्यादा घोषणाएं अभी अपूर्ण हैं जिसका चुनावों पर असर पड़ेगा यह तय है।

संसद पर यह राजचिन्ह रहे मोदी राज का अर्थ बताएगा!

वक्त अपने आप मोदी राज के चिन्ह छोड़ता हुआ है। इसमें मील का पत्थर नई संसद बिल्डिंग पर मुंह फाड़े, दांत दिखाता सिंह चिन्ह है! मोदी सरकार, भाजपा और भक्त चाहे जितनी कोशिश करके साबित करें कि नीचे से देखेंगे तो मुंह फाड़े, दांत दिखते मिलेगें। मगर है सम्राट अशोक के सिंह स्तंभ के सिंहों की अनुकृति। भारत चिन्ह। मगर भक्तों को मुंह फाड़े, दांत दिखाता सिंह भले आक्रामक, आदमखोर नहीं समझ आए लेकिन दुनिया अंधी नहीं है। दुनिया की आंखें वहीं मानेंगी जो दिखता हुआ है। नरेंद्र मोदी के राज की कुल विशेषता ही यह है कि वे और उनके भक्त इलहाम में जीते है जबकि वास्तविकताएं अलग होती है। इसलिए महाकाल का असलियत के चिन्ह छोड़ना मोदी राज की नियति है।

वे और उनके लोग भले न मानें कि महामारी में दुनिया में सर्वाधिक मौतें भारत में हुई लेकिन वैश्विक लिस्ट में तो भारत टॉप पर दर्ज है। वे दिन रात भारत के अच्छे दिनों, विकास, लोकतंत्र, मीडिया आजादी, मानवाधिकारों, पर्यावरण आदि की सुनहरी झांकियां बताते हैं लेकिन दुनिया का हर वैश्विक इंडेक्स सन् 2014 से शुरू भारत के अधोपतन की रियलिटी के आंकड़े इतिहास में दर्ज करते हुए है।

मैं कल आजादी के बाद चीन और भारत का आर्थिक इतिहास पढ़ रहा था। नेहरू काल की 'हिंदू विकास दर' और 'अकाल' के जिक्र से वह वक्त याद आया और वैश्विक तौर पर अंकित नेहरू राज की रियलिटी का इतिहास ब्यौरा मिलता गया। तभी अपना मानना है कि नई संसद बिल्डिंग पर जड़ा मुंह फाडे गुर्राता, आक्रामक सिंह स्तंभ वह टाईम कैप्सूल है जिसकी झलक ही लोगों को मोदी राज के वक्त का इतिहास याद कराएगी। वक्त ने खुद नरेंद्र मोदी के कार्यकाल का यूनिक टाइम कैप्सुल बना दिया हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी में जिद्द है अपने राज की छाप छोड़ने की। इमारतों, स्मारकों से मायावती ने जैसे अपने माया राज की लखनऊ, नोएड़ा में जो छाप बनाई थी वैसे ही मोदी राज ने ठानी हुई है कि वे लुटियन दिल्ली के राजपथ को मोदीपथ बनाएगें। मगर यह किसी ने नहीं सोचा था कि पूरे देश और लोकतंत्र की प्रतिनिधि संसद की इमारत में वक्त वह राजचिंह बनवा बैठेगा जिसके सिंहों की भावभंगिमा खुद मोदी राज का इतिहास बतलाती हुई होगी।

यह नया चिन्ह एक बात को छोड़ कर हर मामले में मोदी राज का प्रतिनिधि है। यह समझ नहीं आया कि सम्राट अशोक के सिंह स्तंभ के सिंहों को छप्पन इंची का बनाने के साथ उन्हें बौद्ध धर्म के धर्मचक्र के ऊपर क्यों रखा गया। क्या हिंदू पृथ्वीराज चौहान या किसी और हिंदू राजा के चिन्ह को नहीं अपनाया जा सकता था? यदि ज्यादा ही मुश्किल थी और समझ नहीं आ रहा था तो बुलडोजर को ही अपना लेते। धर्मचक्र की मुंह फाड़े, दांत दिखाते आक्रामक सिंहों से साथ संगति नहीं बनती है। ऐसे सिंह यदि आधुनिक बुलडोजर के ऊपर बैठे हुए होते तो देश के बड़े सूबे उत्तर प्रदेश में जनता जर्नादन और उनके राजा की कीर्तिगाथा भी इतिहास में दर्ज हो जाती। अपना आग्रह है कि हिंदू भक्तों को बौद्ध राजा के राजचिन्ह की बजाय हिंदू सत्ता का नया राजचिन्ह बनाना चाहिए। मां काली के खूंखार शेर और बुलडोजर के युग्म में मोदीजी को नया भारत राजचिन्ह बनवाना चाहिए। जब सब बदल रहा है तो यह भी बदल जाएं। हिंदुत्वी बन जाए! बहरहाल अपना कहना है कि जो बन गया है वह उपयुक्त है। उससे आने वाली पीढ़ियों को नरेंद्र मोदी के कार्यकाल की राज प्रवृत्तियों का सत्य मालूम होता रहेगा। जिसने भी यह निर्माण किया उसे मोदीजी को अगली 26 जनवरी को भारत रत्न देना चाहिए। इनके वक्त बोध की जितनी तारीफ की जाए कम होगी। अपना मानना है कि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राजचिन्ह की पूजा करने बैठे होंगे तो उनके दिमाग में ख्याल रहा होगा कि सिंहों से कैसा वीर रस टपक रहा है। इसकी प्रेरणा से भारत के हिंदुओं का वीर संकल्प हमेशा धधका रहेगा। अब कभी हिंदू बुद्धम शरणम् गच्छामि नहीं होगा। नेहरू अमन चैन के कपोत उड़ाते हुए बुद्धम शरणम् गच्छामि थे, तभी उन्होने अशोक के सिंह स्तंभ को भारत का राजचिन्ह बनवाया। हिंदू कायर हुए और अब जागे हैं तो अमृत वर्ष में मुंह फाड़े, दांत दिखाते सिंह दुनिया को बताएंगे कि हम कैसे शेर हैं।

सही बात है कि भारत राष्ट्र का राजचिन्ह दुनिया की आंखों में देश-नस्ल की सौंदर्यपरक धमक बनवाने वाला होना चाहिए। मुंह फाड़े-दांत दिखाते सिंह सौंदर्यपरकता का विलोम है। फूहड़ता, बैडोलपना, जंगलीपना झलकता है। अब ऐसा सोचने वाले वे लोग हैं, जो बुद्धि, एस्थे??टिक सेंस और भारत की चिंता करते हैं। इस पर तर्क है कि दुनिया जाए भांड़ में! दुनिया ने कब नरेंद्र मोदी को स्वीकारा था? गुजरात के मुख्यमंत्री कार्यकाल से लेकर पिछले आठ वर्षों से दुनिया के बुद्धिमान, थिंक टैंक और वैश्विक मीडिया लगातार नरेंद्र मोदी को क्या-क्या बताता रहा है। मगर मोदीजी ने क्या चिंता की? उनके समर्थकों-मतदाताओं ने क्या परवाह की? भारत के हिंदुओं को पहली बार यदि छप्पन इंची छाती वाला प्रधानमंत्री मिला है और वे हिंदू इंद्रपस्थ को नए सिरे से सजा रहे हैं, नई इमारतें बनवा रहे हैं, उनके वक्त का प्रतिनिधि राजचिन्ह बन रहा है तो उनमें उनके व्यक्तित्व-कृतित्व की छाप छूटेगी ही।

हां, क्यों भारत के प्रधानमंत्री सौंदर्यपरक, बुद्धिजीवियों-कलाप्रेमियों के एस्थेटिक सेंस की परवाह करें? विदेशी जब दिल्ली घूमने आएगा तो वह लुटियन दिल्ली के अंग्रेजों के स्थापत्य के मुकाबले में मोदी की हिंदू सत्ता के स्थापत्य का फर्क देखेगा तो उससे हिंदू राष्ट्र की धाक बनेगी या विद्रुपता बनेगी? दुनिया को दिखाना है कि आजाद भारत के अमृत काल में मोदीजी के राज में वे साहसी, वे विशाल, आदम और आदमकद निर्माण हुए, जिससे सम्राट अशोक के सोए हुए शेर भी छप्पन इंची छाती के हो गए। कल्पना करें और मुझे उस वक्त का इंतजार है जब अंग्रेजों की बनाई संसद भवन के सामने मुंह फाड़े, दांत दिखाते आदमखोर शेरों को सिर पर बैठाए जगमगाती नई संसद का भीमकाय रूप दिखेगा तो उससे मोदी राज की धमक होगी या नहीं?

सबसे बड़ी बात जब सन् 2024 या बाद में कभी दुनिया के नेता नई दिल्ली घूमने आएं, जी-20 के लिए आएं तो वे चमत्कृत होंगे या नहीं? वे आदमखोर सिंह स्तंभ को देख कंपकंपाएंगे या नहीं? महाशक्ति भारत का लौहा मानेंगे या नहीं? असल बात नए संसद भवन में प्रवेश के साथ भविष्य के हर प्रधानमंत्री, मंत्री, शासक और सांसद सबको प्रेरणा मिलेगी कि ऊपर देखो शासन का आंतक जंगल के राजा आदमखोर सिंहों से बनता है। नरेंद्र मोदीजी के वक्त को याद करो जब लोकतंत्र, संसद, लोकतांत्रिक संस्थाओं, मीडिया और देश का जनजीवन सब खौफ में सहमा हुआ था। राजचिंह को सच्चा प्रमाणित करते हुए था।

-हरिशंकर व्यास-

आबादी पर राजनीति मत कीजिए

भारत में आबादी का मामला बहुत संवेदनशील है। एक तरफ सांप्रदायिक विभाजन है तो दूसरी ओर जातीय बंटवारा भी बहुत गहरा है। इस वजह से हर बार आबादी का आंकड़ा भारत में एक खास किस्म के विमर्श को जन्म देता है। तभी जैसे ही विश्व जनसंख्या दिवस के मौके पर संयुक्त राष्ट्र संघ के जनसंख्या डिवीजन ने यह आंकड़ा जारी किया कि अगले साल भारत दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश बन जाएगा वैसे ही इस पर राजनीति शुरू हो गई। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, 'एक वर्ग की आबादी बढ़ने की रफ्तार ज्यादा न हो जाए, ऐसा हुआ तो अराजकता फैलेगी'। उत्तर प्रदेश सबसे बड़ी आबादी वाला राज्य है और लोकसभा में सबसे ज्यादा सांसद भेजने वाला राज्य भी है। अगर उस राज्य में आबादी को लेकर यह आशंका पैदा की जाती है कि एक वर्ग की आबादी बढ़ रही है और उससे अराजकता हो सकती है तो इसके पीछे के मनोविज्ञान को समझा जा सकता है। ध्यान रहे उत्तर प्रदेश में जनसंख्या नियंत्रण कानून का मसौदा तैयार हो गया है और राज्य विधि आयोग के अध्यक्ष ने पिछले साल अगस्त में यह मसौदा सरकार को सौंपा था।

संयुक्त राष्ट्र संघ की रिपोर्ट का वस्तुनिष्ठ विश्लेषण करें तो कई ऐसी बातें सामने आएंगी, जो उस रिपोर्ट के बाद गढ़े जा रहे विमर्श को काटती हैं। मसलन भारत 2027 की समय सीमा से चार साल पहले ही दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश बन रहा है तो ऐसा इस वजह से नहीं हुआ कि भारत में आबादी तेजी से बढ़ रही है, बल्कि ऐसा इसलिए हो रहा है कि चीन में एक बच्चे की नीति की वजह से जनसंख्या दर निगेटिव हो गई और वहां उस अनुपात में आबादी नहीं बढ़ी, जिसका अनुमान लगाया गया था। हकीकत यह है कि भारत ने जनसंख्या नियंत्रण में अद्भुत काम किया है। जिस समय भारत में पहली जनसंख्या नीति बनी थी और जनसंख्या नियंत्रण का प्रयास शुरू हआ था उस समय भारत में टोटल फर्टिलिटी रेट यानी टीएफआर छह फीसदी थी और आज सात दशक के बाद वह दो फीसदी है। संयुक्त राष्ट्र संघ के मानकों के मुताबिक अगर कोई स्त्री 2.1 बच्चे पैदा करती है यानी किसी देश की टीएफआर 2.1 फीसदी हो जाती है तो वहां जनसंख्या स्थिर हो जाती है। भारत में यह दो फीसदी है, जिसका मतलब है कि भारत में जनसंख्या बढ़ने की दर थम गई है।

अफसोस की बात है कि भारत में आबादी बढ़ने को लेकर कई तरह के झूठ फैलाए गए हैं। यह धारणा बनाई गई है कि मुसलमानों की आबादी तेजी से बढ़ रही है। इस धारणा को आधार देने के लिए झूठे-सच्चे आंकड़े गढ़े गए हैं, जिनके जरिए बताया जाता है कि अमुक साल तक भारत में हिंदू अल्पसंख्यक हो जाएंगे। यह सही है कि कुछ जिलों में जनसंख्या संरचना बदली है और अनेक जिलों में मुस्लिम आबादी बहुसंख्यक हो गई है। यह भी सही है कि कई मुस्लिम बहुल जिलों में शरिया के नियम-कायदे लागू कराने का प्रयास हुआ है। हाल ही में झारखंड के दो जिलों से इस तरह की खबरें आईं। लेकिन यह अपवाद की घटनाएं हैं, जिनको ऐसे दिखाया जा रहा है, जैसे पूरे देश में ऐसा ही हो रहा है। उसके उलट पूरे देश में मुस्लिम आबादी भी तेजी से नियंत्रित हो रही है। 1992-93 में भारत में मुस्लिम आबादी की बढ़ने की दर यानी टीएफआर 4.4 फीसदी थी, जो 2019-20 में 2.3 हो गई। यानी मुस्लिम आबादी भी स्थिर होने की टीएफआर तक पहुंच गई है।

तभी आबादी के आंकड़ों को लेकर झूठ गढ़ने या गलत धारणा बनाने या राजनीति करने की जरूरत नहीं है। उसकी बजाय इस विशाल आबादी को एक संपदा मानते हुए इसके बेहतर इस्तेमाल की योजना बनाने की जरूरत है। दुनिया में काम करने की उम्र वाला हर पांचवां व्यक्ति भारत में रहता है। लेकिन अफसोस की बात है कि कामकाजी उम्र के ज्यादातर लोगों के पास काम नहीं है। संगठित क्षेत्र में नौकरियां नाममात्र की हैं और असंगठित क्षेत्र भी नोटबंदी, जीएसटी व कोरोना की वजह से दम तोड़ रहा है। स्वरोजगार के नाम पर किसी तरह से जीवन चलाने की व्यवस्था जरूर लोगों ने की है लेकिन वह पर्याप्त नहीं है। देश की आधी आबादी यानी महिलाओं का बड़ा हिस्सा वर्कफोर्स से बाहर है। ज्यादातर सेक्टर में उनके लिए काम करने की स्थितियां नहीं हैं। भारत में काम करने की उम्र यानी 15 साल से ऊपर की उम्र की सिर्फ 30 फीसदी महिलाएं ही किसी न किसी काम में शामिल हैं। इनमें भी ज्यादातर परिवार की खेती या कारोबार से जुड़ी हैं। जैसे जैसे शिक्षा और स्वास्थ्य के स्तर में सुधार हो रहा है और महिलाएं बच्चे पैदा करने की एकमात्र जिम्मेदारी को पीछे छोड़ रही हैं वैसे वैसे उनके लिए रोजगार की बेहतर व्यवस्था की जरूरत महसूस हो रही है। आबादी नियंत्रित करने का कानून बनाने की बजाय ऐसी नीतियां बनाने की जरूरत है, जिनसे देश की विशाल आबादी के लिए सम्मानजनक रोजगार सुनिश्चित हो। अगर देश में जनसंख्या नियंत्रण का कोई कानून बनता भी है तो उसमें नियंत्रण के बाद की स्थितियों को लेकर जरूरी उपाय होने चाहिए। मसलन महिलाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार पर ध्यान होना चाहिए और साथ ही बुजुर्गों के सम्मान से जीने की व्यवस्था पर भी विचार होना चाहिए। इस सदी के समाप्त होने तक देश की 30 फीसदी आबादी 65 साल से ज्यादा उम्र की होगी।

बहरहाल, देश की विशाल आबादी को संसाधन में तब्दील करने के लिए कानून निर्माताओं को बुनियादी सुविधाओं में सुधार पर ध्यान देना चाहिए। सबसे बुनियादी जरूरत सस्ती और अच्छी शिक्षा व्यवस्था की है। अगर सबको अच्छी और सस्ती शिक्षा मिलती है तभी आबादी के बोझ को संसाधन में बदलने की कोई भी ठोस पहल हो सकती है। शिक्षा के अलावा पोषण और बेहतर चिकित्सा व्यवस्था भी उतनी ही जरूरी है। कुपोषित और बीमार आबादी किसी भी देश के विकास में योगदान नहीं कर सकती है। अंत में रोजगार की व्यवस्था है। भारत की केंद्र सरकार और राज्यों की सरकारों को कृषि से लेकर विनिर्माण तक के उन सभी क्षेत्रों के लिए ऐसी नीतियां बनानी चाहिए, जिससे अधिकतम रोजगार के अवसर पैदा हों। दुनिया के कई देशों ने इस मामले में रास्ता दिखाया है। भारत का पड़ोसी बांग्लादेश गारमेंट निर्यात में दुनिया में अव्वल देश बना है तो वह अपनी बड़ी आबादी में कौशल विकास करके ही ऐसा कर पाया है। भारत कई सेक्टर में ऐसी उपलब्धि हासिल कर सकता है। लेकिन वह तभी होगा, जब आबादी पर राजनीति बंद होगी और उसके सकारात्मक इस्तेमाल की नीतियां बनेंगी।

-अजीत द्विवेदी-

सुम्मत

तुषार शर्मा नादान
राजिम छत्तीसगढ़

परेसान बाबा हवय,कका करत हे राज।
अपन गॉव के गउँटिया,
मुँह ला ताकय आज।।
जिम्मेदारी नॉव के, डोरी दूसर हाथ।
अलग थलग हावे परे,
पावत नइहे साथ।।
कतका दिन ले देखही,
आही बिल्कुल ताव।
घर के पोठ सियान हा,
जब नइ पाही भाव।।
सिधवा मनखे जान के,
झन करहू अतलंग।
छोड़ दिही कहुँ हाथ ला,
हो जहि सब बिदरंग।।
मनखे आस-पड़ोस के,
सुनथे दे के कान।
बाढ़य जब मतभेद हा,
हाँसय सकल जहान।।
बाबा घर के लाज अस,
कका हरस सम्मान।
सुम्मत राखव आपमन,
समझावय नादान।।

महंगाई

केशी गुप्ता
द्वारका दिल्ली

महंगाई के शोर में
सस्ती हो गई जिंदगी
जीएसटी टैक्स के बोझ से
ठंडे पड़ गए बाजार
पेट्रोल डीजल की आग में
झुलस गए खेत खलियान
महंगाई के शोर में
खो गया घर परिवार
पैसे की दौड़ में
पीस रहा दिन रात
रुपया गिरता जाता दिन प्रतिदिन
डॉलर की बड रही शान
महंगाई के शोर में
मर रहा गरीब लाचार
मिलता नहीं धनिया मिर्ची
अब सब्जी के साथ
हर चीज के बड़े हैं दाम
लुट गई इंसानियत बीच बाजार
महंगाई के शोर में
बेरोज़गारी बनी अभिशाप
परेशान है लोअर मिडल क्लास
पैसा बना रहे पूंजीपति महाराज
अच्छे दिनो की आस में
चल रही हर सांस

हे महादेव हम सब का उद्धार करो

प्रमेशदीप मानिकपुरी
धमतरी छत्तीसगढ़

हे अविनाशी, हे महादेव, हे
डमरूधर, हे त्रिपुरारी
हे नटवर, हे अर्धनारीश्वर ,हे
अवघटदानी, हे जटाधारी
अर्धनारीश्वर रूप मे
जगत के सब भय दूर कियो
जग कल्याण के खातिर कितना
सुन्दर रूप लियो
शिव शक्ति दर्शन का
यह नवीनतम स्वरूप है
प्रकृति से भी सुन्दर
शिवशक्ति का यह रूप है
जग के तुम संहारक हो, सृष्टि के
उद्धारक हो
आदि शक्ति रूपनी,
जग के शक्ति प्रदायक हो
जगत नियंता आप ही,
आप ही कैलाश पति
भोलेपन से सबको
वर देते हो आप उमापति
कभी दुर्गा कभी काली बन,दुस्टो
का संहार करो
कभी भोले बाबा बन, भक्तो कस्ट
निवार करो
हे अर्धनारीश्वर हे महादेव हम सब
का उद्धार करो
मैं अकिंचन अबोध हूं नमन मेरा
स्वीकार करो
मैं अकिंचन अबोध हूं नमन मेरा
स्वीकार करो

पहचान

युवक को ब्लैकमेल करने वाली युवती गिरफ्तार

-नगर संवाददाता-

अम्बिकापुर,19 जुलाई 2022(घटती-घटना)। . एक युवती पहले एक युवक को अपने जाल में फंसाया और दूसरे शहर ले जाकर पहले उससे पैसों की मांग करने लगी। युवक किसी तरह से युवती के चंगुल से निकल कर घर आया और मामले की जानकारी परिजन को दी। इसके बावजूद भी युवती द्वारा युवक के परिजनों को भी झूठे मामले में फंसाने की धमकी देने लगी। इस दौरान युवती ने युवक व उसके परिजन से 8 लाख रूपए क मांग कर रही थी। नहीं देने पर परिजनों को बदनाम करने के लिए सोशल साईट पर आपत्तिजनक बातें पोस्ट की जाने लगी। युवक ने इसकी रिपोर्ट गांधीनगर थाने में दर्ज कराया था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए युवती को गिरफ्तार किया है। युवती मणिपुर चौकी अंतर्गत रहने वाली है। लड़की पहले नमना निवासी विवेक नामक से पहले जान पहचान की। इसके बाद युवती अपनी बीमारी का बहाना बनाकर युवक को इलाज के लिए साथ ले गई और विवेक के पैसों को खर्च करवाने के बाद उसे एक प्रकार से अपने साथ बंधक की तरह रख लिया।

अब छत्तीसगढ़ के अस्पताल में भी रोबोट के उपयोग से सर्जरी किया जाना हुआ संभव

-नगर संवाददाता-

अम्बिकापुर,19 जुलाई 2022(घटती-घटना)। होली क्रॉस हॉस्पिटल की वरिष्ठ चिकित्सक डॉक्टर सिस्टर बैयाट्रिस की पहल पर सरगुजा संभाग का पहला लेप्रोस्कोपिक शल्य क्रिया पर जीवंत कार्यशाला का आयोजन हॉस्पिटल के सभागार कक्ष में किया गया। इस वर्कशॉप में सरगुजा अंचल के शल्य चिकित्सक सम्मिलित हुए। जिसमें पित्त की थैली, हार्निया, गर्भाशय के बीमारी का ऑपरेशन लेप्रोस्कोपिक विधि से शल्य क्रिया की बारीकियों को समझाते हुए रामकृष्ण केयर हास्पिटल, रायपुर के डॉ. संदीप दवे व डॉ. सिद्धार्थ तामस्कर द्वारा किया गया।

पेट की जटिल बीमारी का पूर्ण निदान वर्तमान में प्रचलित आधुनिकतम तकनीक से काफी आसान हो गया है। यह चिकित्सा विधि महंगी जरूर है, पर मरीज को ऑपरेशन के बाद 2 दिन में छुट्टी कर दी जाती है। वहीं परंपरागत शल्य क्रिया की अपेक्षा भविष्य में परेशानी का कम से कम सामना करना पड़ता है। रोबोटिक सर्जरी पर व्याख्यान देते हुए डॉक्टर संदीप दवे ने बताया कि अब छत्तीसगढ़ में रोबोट के उपयोग से सर्जरी किया जाना संभव हुआ है। जिसमें शल्य क्रिया संपादन करने वाले रोबोट के चार हाथ होते हैं जिससे शल्य

क्रिया का संपादन बेहतर किया जाना संभव हुआ है। आईएमए अंबिकापुर की अध्यक्ष डॉक्टर अंजु गोयल ने चिकित्सकों को लगातार अपने कौशल को बढ़ाने व मरीज को गुणवत्तापूर्ण इलाज देने की बात कही। जीवंत कार्यशाला का आयोजन संचालक होली क्रॉस हॉस्पिटल सिस्टर डायना, हॉस्पिटल के स्टाफ व सर्जन क्लब के सहयोग से किया गया था। मंच का संचालन आइएमए अंबिकापुर सचिव डॉक्टर योगेंद्र गहरवाल व आभार प्रदर्शन महापौर डॉ. अजय तिर्की द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डॉ फैजुल हसन फिरदौसी , डॉ. मधु, डॉ. रचना, डॉ. अक्षय गोयल, डॉ. विकास, डॉ. एनपी शर्मा, डॉ. आशा बंसल, डॉ. आरएन परीदा, डॉ. अमित, डॉ. अंकिता, डॉ. अजय गुप्ता, डॉ. वैभव जायसवाल, डॉ. देवेस शुक्ला, डॉ. रवि, डॉ. पीएस सिसोदिया, डॉ. दिव्या, डॉ. अशोक, डॉ. परवेज खान, डॉ. अजीत दीवान, डॉ. राकेश शर्मा, समेत सरगुजा संभाग के 100 से ज्यादा चिकित्सक सम्मिलित हुए।

सामान्य सर्जरी से महंगी होती है रोबोटिक सर्जरी

डॉक्टर संदीप दवे ने बताया कि इसमें ऑपरेशन के समय संक्रमण का खतरा 1 प्रतिश से भी कम होता है। बड़ी आंत के

कैंसर की सर्जरी जो सामान्यतः तीन चरण में पूरी की जाती है उसे रोबोटिक सर्जरी के माध्यम से एक ही चरण में पूरा किया जाता है। रोबोटिक सर्जरी के माध्यम से पेट की 18 से ज्यादा जटिल ऑपरेशन सफलतापूर्वक किया जा चुका है। रोबोटिक सर्जरी सामान्य सर्जरी की तुलना में 1.25 लाख से लेकर 1.5 लाख तक महंगी होती है।

अमानक साइलेंसर का उपयोग व बिना नंबर के वाहन चालकों पर की गई कार्रवाई

-नगर संवाददाता-

अम्बिकापुर,19 जुलाई 2022(घटती-घटना)। सरगुजा एसपी भावना गुप्ता ने चोरी व आपदाधिक गतिविधियों पर अंकुश लगने के लिए वाहन चेकिंग के निर्देश दिए हैं। वहीं विशेषकर बिना नंबर के वाहन एवं अमानक साइलेंसर का उपयोग कर लोगों को परेशान करने वाले वाहन चालकों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक शुक्ला, नगर पुलिस अधीक्षक अखिलेश कौशिक के नेतृत्व में प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक डा. प्रशांत देवांगन एवं थाना प्रभारी भारद्वाज सिंह के टीम द्वारा सोमवार की शाम को चौपाटी एवं शहर के मुख्य मार्ग पर कार्रवाई की गई। इस दौरान अमानक साइलेंसर, बिना नम्बर के वाहन चालकों पर कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान अमानक साइलेंसर को निकलवाकर समान्य साइलेंसर लगवया गया। इस दौरान वाहन चालकों पर चालानी कार्रवाई कर वाहन मालिकों को यातायात नियमों का पालन करने की हिदायत दी गई। वाहन चालकों को सख्त निर्देश दिया गया है कि दुबारा उक्त साइलेंसर पाए जाने पर वाहन मालिको के खिलाफ न्यायालयीन कार्रवाई करने की हिदायत दी गई। अभियान के तहत बिना नम्बर के वाहन के संचालकों को रजिस्ट्रेशन कराने की सक्त हिदायत देकर चालानी कार्यवाही कर छोड़ा गया। वहीं सरगुजा पुलिस ने आम नागरिको से अपील की है कि बिना रजिस्ट्रेशन के वाहन न चलाएं एवं वाहनों में अमानक साइलेंसर का प्रयोग न करे। कार्रवाई के दौरान उप निरीक्षक डाकेश्वर सिंह, प्रधान आरक्षक नयन साय पैकरा, आरक्षक ईदरिश खान, अमित ज्ञान खलखो, संजय एक्का, सैनिक राकेश कुशवाहा शामिल रहे।

फेसबुक प्रोफाईल पर धार्मिक आपत्तिजनक पोस्ट करने वाला आरोपी गिरफ्तार

-नगर संवाददाता-

अम्बिकापुर,19 जुलाई 2022(घटती-घटना)। फेसबुक प्रोफाईल संचालक खुर्शीद आलम अंसारी निवासी मोमिनपुरा अम्बिकापुर द्वारा 18 जुलाई को एक वर्ग विशेष की धार्मिक भावनाओं के बारे में आपत्तिजनक पोस्ट किया था। मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया है।

खड़ी ट्रक से हुई टक्कर में बाइक चालक की मौत

-नगर संवाददाता-

राजपुर. ,19 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। राजपुर-बलरामपुर मुख्य मार्ग एनएच 343 सेमरसोत फारेस्ट रेस्ट हाउस के पास खड़ी ट्रक से हुई टक्कर में बाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने अज्ञात चालक के विरुद्ध केस दर्ज किया। थाना प्रभारी संत आयाम ने बताया कि ग्राम पस्ता निवासी 32 वर्षीय अनिल बघेल सोमवार को अपने घर से बाइक क्रमांक सीजी 15 सीए 8276 में सवार होकर अपने काम से बलरामपुर गया था।

अपना काम निपटा कर अपने घर वापस लौट रहा था। रात्रि करीब 11 बजे सेमरसोत फारेस्ट रेस्ट हाउस के पास ट्रक क्रमांक सीजी 4 एचजेड 4640 सड़क किनारे खड़ी थी। बाइक चालक अनिल बघेल ने खड़ी ट्रक में पीछे से टक्कर मार दी इससे इसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। सूचना पर थाना प्रभारी संत आयाम मौके पर तत्काल अपने स्टाफों के साथ पहुंच मर्ग कायम किया। पुलिस ने ट्रक चालक के विरुद्ध धारा 283, 304 ए के तहत रिपोर्ट दर्ज किया है।

विशेष पिछड़ी जनजाति के लोग भर्ती का नहीं ले पा रहे लाभ

-नगर संवाददाता-

अम्बिकापुर,19 जुलाई 2022(घटती-घटना)। अम्बिकापुर के कलेक्ट्रेट कार्यालय में विशेष पिछली जनजाति के कोरवाओं ने भर्ती अभियान को लेकर सरगुजा कलेक्टर नाम को ज्ञापन सौंपा है। वहीं छत्तीसगढ़ कोरवा जनजाति संघ के प्रदेश संयोजक धीरेन्द्र राम कोरवा ने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सरगुजा जिले में विशेष पिछड़ी जनजाति के लिए 26 जून से भर्ती अभियान की घोषणा की थी।. लेकिन इस भर्ती अभियान को पहाड़ी कोरवा के नाम से चलाया जा रहा है। जबकि जिले में सभी के मिशल रिकार्ड में कोरवा ही लिखा हुआ है। जिसकी वजह से विशेष पिछड़ी जनजाति भर्ती लाभ नहीं ले पा रहे हैं। ज्ञापन के माध्यम से जिले में निवासरत सभी कोरवा जनजाति के लोगों का सर्वे कराकर भर्ती का लाभ दिलाने की मांग की गई है। वहीं उन्होंने मांगे पूरी नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है जिसके जिम्मेदार है शासन प्रशासन की होगी।

परिवहन विभाग अपनी कार्यप्रणाली को लेकर सुर्खियों में

-ओमकार पाण्डेय-

सूरजपुर 19 जुलाई 2022(घटती-घटना)। जिले का परिवहन विभाग अपनी कार्यप्रणाली को लेकर सुर्ख़ियों में है। बताते है कि यह दफ्तर लोकसेवा के लिए कम दुकानदारी के लिए ज्यादा पहचाने जाने लगा है।यहां हर काम के लिए रेट तय कर दिए गए है आप सुविधा शुल्क दीजिए और आपका काम मिंटो में नियम से काम की उम्मीद किये तो फिर घूमते रहिए कोई माई बाप नही है सुनने वाला...? सूत्र जो बताते है उंसके अनुसार हर काम के लिए अलग अलग रेट तय कर रखे गए है।जबकि सरकार इन्हें लोकसेवा के दायरे में रखते हुए अफसर से लेकर कर्मचारियों तक को वेतन देती है फिर भी आम आदमी के लिए कोई राहत नही है।लर्निंग लाइसेंस व परिवहन संबंधित किसी भी प्रकार के दस्तावेज बनवाने के लिए आपको सुविधा शुल्क देने ही होंगे। दफ्तर में दलाल कहे या एजेंट उनका रसूख चलता है। जिससे आरटीओ दफ्तर में किसी भी काम के लिए सीधे पहुंचने वालों का काम नहीं होता। वहां के कर्मचारी सीधे पहुंचने वालों को कई प्रकार के नियमों व दस्तावेज के मामले में उलझा देते हैं। वहीं दलालों के माध्यम से किसी भी काम को कराने वालों का काम तत्काल हो जाता है। क्योकि एजेंटों का सीधे बाबूओं व अधिकारियों से सेटिंग रहता है। आरटीओ दफ्तर के परिसर में एजेंट का जमावड़ा रहता है। लाइसेंस व परिवहन सबंधित काम के लिए दफ्तर पहुंचने वालों से एजेंट सीधे संपर्क करते हैं। काम के लिए रकम तय होने के बाद एजेंट संबंधित बाबू व अधिकारी से मिलने दफ्तर में सीधे पहुंचते हैं और हिस्से का रकम देने के बाद काम तत्काल हो जाता है। ऐसे में सीधे काम के लिए पहुंचने वाले लोगों का काम नहीं होता और उन्हें काम के लिए विभाग का कई चक्क लगाना पड़ता है।

गाड़ियों में झोल-झाल

यही नही दफ्तर के बाहर भी खुले आम नियमो की धज्जियां उड़ रही है।वजह आप समझ सकते है।कई ऐसे वाहन सड़को पर दौड़ रहे है जो सड़क पर चलने लायक नही है।बगैर परमिट की वाहने फर्राटे मार रही है कभी कोई पड़ताल नही,यात्री बसों से लेकर टैक्सी तक मे मनमाना किराया वसूला जा रहा है कोई सुनने देखने वाला नही।ऐसा नही की ये सब अफसरों के संज्ञान में नही है पर उन्हें जो राहत राशि मिल रही तो भलाई खमोशी में है।

ऑटो मतलब कोई नियम नही

शहर में ऑटो की भरमार है।सीएसपी डीके सिंह के कार्यकाल में इन ऑटो चालकों के लिए ड्रेस कोड,वाहन पर मोबाइल नम्बर और किराया आदि तय किये गए थे।उनके तबादले के बाद सब कायदे कागजो में सिमट गए। यह तय है कि ऑटो का संचालन ज्यादातर गरीब तबके के लोग कर रहे है पर यह भी तय है कि ऑटो में बैठने वाले भी गरीब है जिनके जेब ढीली हो रही है।मनमाना किराया से लेकर शहर में आयें बांए जहाँ पाए वही खड़ी कर यातायात की सूरत बिगाड़ रहे है।जितना मन चाहे उतना सवारी बैठा रहे कोई अंकुश नही..?दुर्घटना हो जाये तो फिर लकीर पीटते रहेंगे। इस पर जांच व अंकुश जरूरी है।

थाना सूरजपुर पुलिस ने स्कूटी-मोटर सायकल चोर और खरीददार सहित 4 को गिरफ्तार

अम्बिकापुर के पीजी कालेज से की गई थी मोटर सायकल चोरी

1 लाख रूपये कीमत के एक स्कूटी तथा एक मोटर सायकल किया गया बरामद

-नगर संवाददाता-

सूरजपुर 19 जुलाई 2022(घटती-घटना)। पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू के निर्देश पर जिले की पुलिस चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपियों की लगातार गिरफ्तारी करते हुए चुराए गए मोटर सायकल की बरामदगी में लगी हुई है। इसी तारतम्य में दिनांक 18.07.22 को कोतवाली पुलिस को मुखबीर ने सूचना दिया कि ग्राम गिरवरगज में 2 व्यक्ति चोरी का स्कूटी बिक्री करने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहे है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश राठौर के मार्गदर्शन में कोतवाली पुलिस ने गिरवरगंज में घेराबंदी कर बिना नंबर टीव्हीएस स्कूटी सहित इंदर सोनवानी पिता स्व. रामप्रसाद उम्र 40 वर्ष निवासी हर्राटिकरा सांडबार, चौकी मणीपुर, थाना गांधीनगर एवं शाहीद हुसैन उर्फ शालू पिता ताहिर हुसैन उम्र 22 वर्ष निवासी गोधनपुर अम्बिकापुर को पकड़ा। पूछताछ करने पर इंदर सोनवानी ने बताया कि उसके 1 साथी ने चोरी की स्कूटी बिक्री करने के लिए उसे दिया था जिसे बेचने शाहीद के साथ आया था। शाहीद ने पूछताछ पर बताया कि बबलू चौहान उर्फ बुच्ची पिता श्यामलाल चौहान उम्र 22 वर्ष निवासी गंगापुर अम्बिकापुर के साथ मिलकर एक होण्डा सीबी साईन मोटर सायकल को अम्बिकापुर के पीजी कालेज बनारस रोड़ के पास से चोरी करना एवं चोरी की मोटर सायकल को मंजित कुशवाहा पिता रामप्रकाश निवासी कोटराही, चौकी वाड्रफनगर को बिक्री करना बताया। पुलिस टीम ने दबिश देकर बबलू चौहान एवं मंजित कुशवाहा को पकड़ा। आरोपियों के निशानदेही पर चोरी की होण्डा सीबी साईन मोटर सायकल बरामद किया। मामले में धारा 41(1-4)/379, 411, 34 भादसं. के तहत कार्यवाही करते हुए 1 स्कूटी एवं 1 मोटर सायकल कीमत 100000 रूपये का जप्त कर चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया। मामले में अन्य आरोपियों की पतासाजी की जा रही है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी सूरजपुर प्रकाश राठौर, प्रधान आरक्षक ऐसन पाल, लखेश साहू, आरक्षक राजकुमार पासवान व सैनिक जहांगीर आलम सक्रिय रहे।

मठपारा के बेजा कब्जाधारियों पर नहीं होगी बेदखली की कार्यवाही:कलेक्टर

-नगर संवाददाता-

अम्बिकापुर,19 जुलाई 2022(घटती-घटना)। कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार ने कहा है कि नगर निगम अम्बिकापुर अंतर्गत मठपारा के बेजा कब्जाधारियों पर बेदखली की कार्यवाही नहीं होगी। जिला प्रशासन द्वारा राजस्व एवं नगर निगम की टीम के माध्यम से वर्तमान में मठपारा में लोग कहां से वे कब से आकर रह रहे है इसकी सर्वे की जा रही है ताकि जो लोग शासन की योजनाओं से वंचित हैं उन्हें लाभ मिल सके। कलेक्टर ने मंगलवार को आयोजित जनचौपाल में मठपारा से आए लोगों की समस्या का निराकरण करते हुए उन्हें आश्वस्त किया। उन्होंने जिन मकानों के बिजली कनेक्शन काटे गए थे उन्हें तत्काल जोड़ने के निर्देश विद्युत विभाग के अधिकारियों को दिए। जनचौपाल में सुभाषनगर निवासी दिव्यांग अखिलेश तिवारी, कतकालो के महेश्वर लकड़ा व रामधनी एक्का को ट्राइसिकल दिया गया। इसके साथ ही दृष्टिबाधित दिव्यांग गौतम, पार्वती को दिव्यांगता प्रमाण पत्र, आयुष्मान कार्ड, राशनकार्ड तथा जनधन खाता का पासबुक भी प्रदान किया गया। इसी प्रकार बतौली निवासी परित्यक्ता श्रीमती सरस्वती साहू को भी तत्काल राशनकार्ड मिला।

नन्ही अहाना का होगा ईलाज- अम्बिकापुर जनपद के ग्राम बढ़नीझरिया निवासी श्री रमाशंकर पंडों की तीन माह की पुत्री अहाना को ऑपरेशन एवं ईलाज के लिए मुख्यमंत्री विशेष सहायता योजना के तहत 10 लाख रुपये सहायता राशि दी जाएगी। कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को अहाना के ईलाज हेतु रायपुर आने-जाने के लिए परिजनों के लिए एंबुलेंस उपलब्ध करने के भी निर्देश दिए। अहाना के परिजनों ने बताया कि चिकित्सकों के अनुसार अहाना को लिवर में समस्या है जिसके उपचार के लिए ऑपरेशन की जरूरत है तथा करीब 10 लाख रुपये खर्च बताया है।

कलेक्टर श्री कुंदन कुमार ने जनचौपाल में आने वाले दिव्यांगों को आवेदन लेकर समक्ष उपस्थित होने में सुविधा प्रदान करते हुए दिव्यांगों के लिए व्हील चेयर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जिसके अनुपालन स्वास्थ्य विभाग द्वारा जनचौपाल में अस्थिबाधित दिव्यांगों के लिए तत्काल व्हील चेयर उपलब्ध कराया गया। कलेक्टर ने जनचौपाल में आने वाले लोगों के लिए आवेदन तैयार करने की सुविधा प्रदान करने हेतु पंजीयन काउंटर के पास कम्प्यूटर सिस्टम व ऑपरेटर की व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए।

बिना पैकिंग व लेबल के आटा,दाल और चावल बेचने पर जीएसटी नहीं,वित्तमंत्री ने ट्वीट कर दी जानकारी

नई दिल्ली , 19 जुलाई 2022। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कुछ जरूरी अनाजों की सूची ट्वीट कर उनसे से जीएसटी हटाने की जानकारी दी है। वित्तमंत्री ने लिस्ट को ट्वीट करते हुए लिखा है कि इन खाद्य पदार्थों को खुले में बेचने पर उन पर किसी भी तरह का जीएसटी चार्ज नहीं लगेगा। वित्तमंत्री ने जो लिस्ट ट्वीट की है में दाल, गेहूं, राई, ओट्स, मकई, चावल, आटा, सूजी, बेसन, मूढ़ी और लस्सी जैसी चीजें शामिल है।

लेबलयुक्त और पैकेटबंद अनाज बेचने पर लगेगा पांच प्रतिशत जीएसटी

वित्तमंत्री ने अपने ट्वीट में यह भी कहा है कि इन चीजों पर किसी भी तरह का जीएसटी नहीं लगेगा अगर ये बिना पैकिंग या लेबल के बेचे जा रहे हों। अगर इन चीजों को लेबल के साथ बेचा जाता है तो इन पर पांच प्रतिशत की दर से जीएसटी चार्ज किया जाएगा।

इसके साथ ही वित्तमंत्री ने यह भी कहा है कि खाद्य पदार्थों पर जीएसटी लगाने का फैसला किसी एक व्यक्ति ने नहीं बल्कि पूरी जीएसटी काउंसिल ने मिलकर एक प्रक्रिया के तहत लिया है। उन्होंने यह भी बताया है कि जीएसटी काउंसिल की मीटिंग के दौरान गैर भाजपा शासित राज्यों पंजाब, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और केरल ने भी पांच प्रतिशत लेवी लगाने पर सहमति व्यक्त की थी।

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने एक के बाद किए 14 ट्वीट

वित्तमंत्री ने एक के बाद एक किए गए अपने ट्वीट 14 ट्वीट में कहा है कि टैक्स लीकेज को रोकने के लिए यह फैसला बेहद जरूरी था। अधिकारियों और मंत्रियों ने सामूहिक रूप से विभिन्न स्तरों पर इस फैसले पर विचार किया और अंततः सभी सदस्यों की पूर्ण सहमति के साथ जीएसटी परिषद ने इसकी सिफारिश कर दी है।

वित्तमंत्री ने बताया है कि यह फैसला जीएसटी काउंसिल के जिस ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स ने लिया है उनमें पश्चिम बंगाल, राजस्थान, केरल, उत्तर प्रदेश, गोवा और बिहार के सदस्य शामिल थे। इस जीओएम की अध्यक्षता कर्नाटक के मुख्यमंत्री कर रहे थे।

भ्रांतियों को दूर करने के लिए लिया गया फैसला: निर्मला

वित्तमंत्री ने अपने ट्वीट में कहा है कि बीते दिनों हुई जीएसटी काउंसिल की 47वीं बैठक में दालों, अनाजों और आटा पर विशेष परिस्थितियों में जीएसटी लगाने का फैसला लिया गया था। पर, इस संबंध में तरह-तरह की भ्रांतियां फैल रही थी, इसे दूर करने के लिए ही इस लिस्ट को शेयर किया जा रहा है।

वित्तमंत्री बोलीं- पहली बार खाद्य पदार्थों पर टैक्स लगाने की बात गलत

वित्त मंत्री ने एक के बाद एक किए गए अपने ट्वीट में यह भी कहा है कि यह कहना कि पहली बार खाद्य पदार्थों पर टैक्स लगाया जा रहा है, यह बात गलत है। सच्चाई यह है कि जीएसटी कानून लागू होने से पहले भी कई राज्य खाद्य पदार्थों पर टैक्स लगाकर राजस्व की आमदनी कर रहे थे। सिर्फ पंजाब ने ही उस दौरान खाद्य पदार्थों पर टैक्स लगाकर 2000 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त किया था। उत्तर प्रदेश में भी उस दौरान खाद्य पदार्थों पर टैक्स लगाकर 700 करोड़ रुपये का राजस्व इकट्ठा किया गया था।

वित्तमंत्री ने अपने ट्वीट में यह भी कहा है कि साल 2017 से पहले पंजाब, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, केरल और बिहार जैसे राज्यों में चावल पर भी वैट लगाया गया था।

रिजर्व बैंक ने दो सहकारी बैंकों पर लगाई पाबंदी, खातों से पैसा निकालने पर भी रोक

नई दिल्ली , 19 जुलाई 2022। देश के केंद्रीय बैंक आरबीआई (भारतीय रिजर्व बैंक) ने कर्नाटक के श्री मल्लिकार्जुन पटाना सहकारी बैंक नियमित और महाराष्ट्र के नासिक जिला गिरना सहकारी बैंक पर उनकी लचर वित्तीय व्यवस्था को देखते हुए देखते हुए प्रतिबंध लगा दिया है। आरबीआई के निर्देशों के मुताबिक प्रतिबंध की अवधि में दोनों बैंकों के ग्राहक अपने खातों से पैसा भी नहीं निकाल पाएंगे।

केंद्रीय बैंकों की ओर से दो अलग-अलग बयानों में कहा है कि श्री मल्लिकार्जुन पटाना सहकारी बैंक, मस्की और नासिक जिला गिरना सहकारी बैंक पर प्रतिबंध छह महीने तक प्रभावी रहेगा।

रिजर्व बैंक ने नासिक जिला गिरना सहकारी बैंक के बारे में कहा है कि बैंक के 99.87 प्रतिशत जमाकर्ता जमा बीमा और कर्ज गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) बीमा योजना के दायरे में हैं।

साथ ही श्री मल्लिकार्जुन पटाना सहकारी बैंक के 99.53 प्रतिशत जमाकर्ता भी डीआईसीजीसी बीमा योजना के दायरे में हैं।

केंद्रीय बैंक ने कर्नाटक स्थित बैंक के बारे में कहा है कि बैंक की मौजूदा नकदी की स्थिति को देखते हुए सभी बचत बैंक या चालू खातों या जमाकर्ता के किसी अन्य खाते में कुल शेष राशि से कोई भी रकम निकालने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। लेकिन, जमा को लेकर कर्ज को समायोजित करने की अनुमति रहेगी।

रिजर्व बैंक की ओर से लगायी गई पाबंदी के अनुसार दोनों बैंक रिजर्व बैंक की पूर्व-मंजूरी के बिना ना कोई नया कर्ज दे सकते हैं ना ही किसी कर्ज का नवीनीकरण कर सकते हैं। आरबीआई के निर्देशों के अनुसार दोनों ही बैंकों को किसी भी तहत का निवेश करने की भी अनुमति नहीं होगी।

हालांकि आरबीआई की ओर से यह कहा गया है कि दोनों बैंक अपनी वित्तीय स्थिति में सुधार होने तक प्रतिबंधों के साथ बैंक का कामकाज जारी रख सकेंगे।

टाटा ग्रुप ने जनवरी में किया था अधिग्रहण,अब सरकार को तीन महीने में मिलीं इतनी शिकायतें

नई दिल्ली , 19 जुलाई 2022। देश की सबसे बड़ी विमान सेवा प्रदाता कंपनी एयर इंडिया के खिलाफ सरकार को बीते तीन महीनों में लगभग एक हजार यात्रियों की शिकायतें मिली हैं। ये शिकायतें किराए के रिफंड, फ्लाइट की ओवर बुकिंग और कर्मचारियों के व्यवहार जैसे अलग-अलग कारणों से जुड़ीं हैं। केंद्रीय नागर विमानन राज्य मंत्री वीके सिंह ने सोमवार को राज्यसभा में एक सवाल का जवाब देते हुए बात की जानकारी दी है।

आपको बता दें कि पिछले साल 8 अक्टूबर को एयर इंडिया का अधिग्रहण बिड जीतने के बाद टाटा ग्रुप ने इस साल 27 जनवरी को एयर इंडिया का कार्यभार अपने हाथों में ले लिया था।

आपको बता दें कि इससे पहले बीते 14 जून को एविएशन रेग्युलेटर डीजीसीए ने कहा था कि कि उसने एयर इंडिया पर वैध टिकट होने के बावजूद पैसेंजर्स को बोर्ड नहीं करने देने और उचित मुआवजा नहीं देने के कारण 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था।

गेहूं का निर्यात बंद होने से किसानों को घाटा नहीं, लोकसभा में बोले कृषि मंत्री

नई दिल्ली , 19 जुलाई 2022। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने मंगलवार को लोकसभा में एक सवाल का जवाब देते हुए बताया है कि गेहूं के निर्यात पर बैन लगाने के फैसले से किसानों को कोई नुकसान नहीं उठाना पड़ा है। कृषि मंत्री लोकसभा में उस सवाल का जवाब दे रहे थे जिसमें पूछा गया था कि गेहूं के निर्यात पर बैन लगने के कारण किसानों को जो नुकसान उठाना पड़ रहा है, क्या उसकी भरपाई के लिए सरकार किसानों को कोई मुआवजा देने जा रही है?

कृषि मंत्री ने सवाल का जवाब देते हुए लोकसभा में बताया है कि गेहूं का निर्यात बड़ी मात्रा में बड़े-बड़े निर्यात करते थे। वहीं दूसरी ओर, गेहूं के निर्यात के बावजूद घरेलू बाजार में गेहूं की कीमतें एमएसपी से लगातार ऊपर बनी रही है। ऐसे में किसानों को इससे कोई नुकसान नहीं हुआ है।

ईडी ने छह बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ मनी लाउंड्रिंग मामले में दाखिल की चार्जशीट

नई दिल्ली , 19 जुलाई 2022। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को जानकारी दी है कि उसने धनशोधन निरोधक कानून के तहत छह बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ पश्चिम बंगाल की एक विशेष अदालत में चार्जशीट दाखिल कर दी है।

प्रवर्तन निदेशालय की ओर से कहा गया है कि मनी लाउंड्रिंग निरोधक कानून के तहत बीते 11 जुलाई को कोलकाता स्थित विशेष अदालत में एक आरोपपत्र दाखिल किया गया है और अदालत ने इस मामले का संज्ञान लिया है।

ईडी की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार चार्जशीट में प्रशांत कुमार हलधर उर्फ शिवशंकर हलधर, इमाम हुसैन उर्फ इमोन हलधर, अमाना सुल्ताना उर्फ शर्मी हलधर, स्वप्न मैत्रा उर्फ स्वप्न कुमार मिस्त्री, उत्तम कुमार मिस्त्री उर्फ उत्तम मैत्रा और प्रणेश कुमार हलधर के नाम शामिल हैं। ईडी की ओर से यह भी बताया गया है कि आरोपितों पर सीमा पार से जुड़े अपराध का आरोप भी लगाया गया है।

ईडी के अनुसार सभी छह बांग्लादेशी नागरिकों को बीते 14 मई को की गयी छापेमारी के दौरान गिरफ्तार किया गया था। ईडी ने बातया है कि इस मामले की जांच में पाया गया है कि इन आरोपितों के पास बांग्लादेश और भारत दोनों देशों के सरकारी अधिकारियों की ओर से जारी विभिन्न पहचान पत्र उपलब्ध थे, यहां तक की उनके पास दोनों देशों के पासपोर्ट भी मौजूद थे।

ईडी ने बताया है कि जांच के दौरान जुलाई महीने में आरोपितों के पास से कुल 7.56 करोड़ रुपये कीमत के फ्लैट, मकान, शेयर और नगदी जब्त किया था।

मानसून के दौरान इस तरह से करें वॉटप्रूफ मेकअप,आसान है तरीका

मानसून के दौरान मेकअप करते समय थोड़ी सी सावधानी बरतना बहुत जरूरी है ताकि इससे बाद में कोई समस्या न हो। दरअसल, इस मौसम में उमस के कारण आने वाले पसीने या बारिश से मेकअप फैल जाता है, जिसके चलते चेहरे का पूरा लुक बिगड़ जाता है। इसके अलावा कई मेकअप प्रोडक्ट्स आपकी त्वचा को भी नुकसान पहुंचा सकते हैं। चलिए फिर आज हम आपको मानसून के दौरान वॉटरप्रूफ मेकअप के टिप्स बताते हैं।

मेकअप के लिए सबसे पहले तैयार करें अपना चेहरा

अपने मेकअप को लंबे समय तक बनाए रखने के लिए अपनी त्वचा को अच्छी तरह से तैयार करना महत्वपूर्ण है। इसके लिए सबसे पहले माइल्ड ऑयल फ्री क्लींजर से अपना चेहरा साफ करें, फिर अपने मेकअप को लंबे समय तक चलने और रोमछिद्रों के आकार को कम करने के लिए अपने चेहरे पर 15 मिनट के लिए एक आइस क्यूब लगाएं। अब अपनी त्वचा को हाइड्रेट रखने के लिए वॉटर बेस्ड मॉइश्चराइजर अपने चेहरे पर लगाएं।

पाउडर बेस्ड मेकअप प्रोडक्ट्स का करें इस्तेमाल

मानसून में लिक्विड फॉर्मूले वाले मेकअप प्रोक्ट्स का इस्तेमाल न करें क्योंकि इनकी नमी आपके मेकअप को खराब कर सकती है। जब आप अपने चेहरे को मॉइश्चराइज कर लें तो इसके बाद हल्का मैट फिनिश प्राइमर लगाएं। इसके बाद नॉन-ग्रेसी, फ्रेश और मैट लुक पाने के लिए अपने चेहरे पर पाउडर फाउंडेशन लगाएं। आप चाहें तो फाउंडेशन और कंसीलर लगाने की प्रक्रिय को स्कीप भी कर सकते हैं और इसकी बजाय मैट कॉम्पैक्ट पाउडर का इस्तेमाल कर सकते हैं।

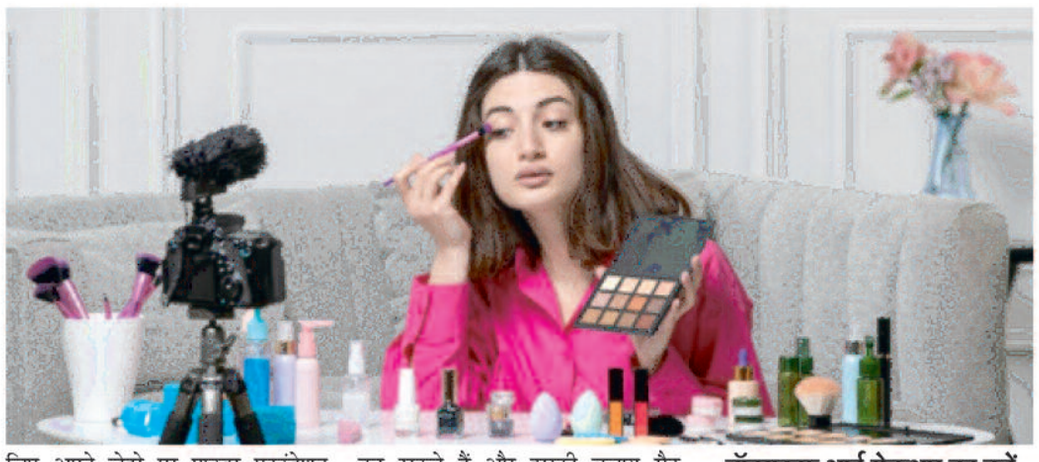

वॉटरप्रूफ आई मेकअप का करें

अगर आप अपने आंखों के मेकअप को खराब होने से बचाना चाहते हैं तो वॉटरप्रूफ काजल और आईलाइनर का इस्तेमाल करें। आईलाइनर लगाने से पहले अपनी पलकों को हाइड्रेट करना न भूलें। फ्लॉलेस मैट फिनिश के लिए आप फेल्ट-पेन लाइनर का इस्तेमाल कर सकते हैं। वहीं, काले रंग की बजाय भूरे या सफेद रंग का काजल चुनें। इसके साथ ही पेस्टल और बेज शेड्स में वॉटरप्रूफ मस्कारा और पाउडर बेस्ड आईशैडो का चयन करें।

पाउडर बेस्ड ब्लश और सॉफ्ट मैट लिपस्टिक का इस्तेमाल करें

मानसून के चेहरे पर क्रीम बेस्ड ब्लश लगाने से भी बचें और मैट इफेक्ट के लिए पाउडर बेस्ड ब्लश चुनें। नेचुरल फिनिश के लिए गुलाबी और आड़ू जैसे रंगों के ब्लश का इस्तेमाल करें। इसके अतिरिक्त, गुलाबी, हल्के भूरे या न्यूड रंग की सॉफ्ट मैट लिपस्टिक का इस्तेमाल करें जो ट्रांसफर-प्रूफ हो। वहीं, लिपस्टिक लगाने से 15-20 मिनट पहले अपने होंठो पर लिप बाम लगाएं।

अंत में मेकअप सेटिंग स्प्रे का इस्तेमाल करें

मेकअप को फैलने से बचाने और इसे चमकदार बनाने के लिए मानसून के दौरान मेकअप सेटिंग स्प्रे का इस्तेमाल करना बेहद जरूरी है। इसके लिए एक हल्का और नॉन-स्टिकी सेटिंग स्प्रे चुनें, जो आपके मेकअप को लंबे समय तक बनाए रखेगा। हालांकि, ध्यान रखें कि मेकअप वाले चेहरे पर छह इंच की दूरी से सेटिंग स्प्रे का इस्तेमाल करना होता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने और वजन घटाने में मददगार है ये मसालेदार डिटॉक्स ड्रिंक

अगर आप अपने वजन को घटाने के साथ-साथ रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने के लिए एक प्रभावी प्राकृतिक उपचार की तलाश में हैं तो हम आपके लिए एक डिटॉक्स पेय की रेसिपी लेकर आए हैं, जिसका सेवन आपके समग्र स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है। सौंफ, जीरा और अजवाइन से भरपूर यह मसालेदार भारतीय पेय आपकी ऊर्जा के स्तर में सुधार करेगा, वजन घटाएगा और हानिकारक विषाक्त पदार्थों को भी शरीर से बाहर निकालेगा।

मसालेदार डिटॉक्स ड्रिंक बनाने का तरीका

इस मसालेदार और स्वास्थ्यवर्धक डिटॉक्स ड्रिंक को बनाने के लिए एक चम्मच सौंफ, एक चम्मच जीरा और एक चम्मच अजवाइन को आधा लीटर पानी में डालकर अच्छी तरह मिलाएं, फिर पानी के जग को प्लेट से ढककर रात भर के लिए रख दें। अगली सुबह इस मसालेदार ड्रिंक से एक गिलास को भरें और इसके सेवन से अपने दिन की शुरूआत करें। ध्यान रखें कि इसका सेवन हर दिन खाली पेट करना है।

जीरा के फायदे

भारतीय व्यंजनों के लोकप्रिय मसालों में से एक जीरा इस मसालेदार डिटॉक्स ड्रिंक की महत्वपूर्ण सामग्री है। विटामिन- ए, विटामिन- सी, कॉपर, मैंगनीज, एंटी-ऑक्सिडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर जीरा शरीर से हानिकारक विषाक्त पदार्थों को खत्म करता है। यह रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूती प्रदान करने में भी सहायक है और मेटाबॉलिज्म की गति को बढ़ाकर वजन घटाने में मदद कर सकता है।

सौंफ के स्वास्थ्य लाभ

सौंफ न केवल पाचन के लिए लाभदायक है बल्कि शरीर के मेटाबॉलिज्म में भी सुधार करती है। फाइबर से भरपूर सौंफ लंबे समय तक पेट को भरा हुआ महसूस करवाने में मदद करती है। यह आपको अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थों की इच्छा को कम करने और वजन घटाने में भी मदद करेगा। सौंफ विटामिन- सी से भी भरपूर होती है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूती प्रदान में सहायक होती है।

अजवाइन के सेवन से मिलने वाले लाभ

इस डिटॉक्स ड्रिंक में मिलाई जाने वाली अजवाइन भी वजन घटाने और पाचन क्रिया को बेहतर बनाने में मदद कर सकती है क्योंकि इसमें थाइमोल नामक एक आवश्यक तेल होता है, जिसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं। यह तनाव और चिंता को भी कम करती है। प्राचीन काल से आयुर्वेदिक चिकित्सा में इसका उपयोग किया जा रहा है। अजवाइन में एंटी-ऑक्सिडेंट भी होते हैं, जो शरीर के हानिकारक मुक्त कणों से लड़ने में मदद करते हैं।

एकाग्रता को मजबूत करने में सक्षम हैं ये पांच तरीके,जरूर आजमाकर देखें

अपने कार्यस्थल पर किसी विशेष कार्य पर ठीक से ध्यान केंद्रित करने की क्षमता काफी हद तक सफलता को निर्धारित करती है। आप अपने हर एक टास्क पर जितना अधिक ध्यान और समय देंगे, आप उतना ही बेहतर प्रदर्शन कर पाएंगे। हालांकि, व्याकुलता आपके ध्यान और एकाग्रता को काफी हद तक प्रभावित कर सकती है। आइए आज हम आपको पांच ऐसी टिप्स देते हैं, जिन्हें आजमाकर आप अपने ध्यान भटकने से बचाकर अपनी एकाग्रता क्षमता को मजबूत कर सकते हैं।

ध्यान भटकाने वाली चीजों से बनाएं दूरी

व्याकुलता एक प्रमुख कारण है, जो किसी विशेष कार्य पर आपकी एकाग्रता को प्रभावित करता है। रेडियो या टेलीविजन की आवाज, मोबाइल की नॉटिफिकेशन, बाहर का शोर आदि व्याकुलता के मुख्य स्रोत हैं। इससे निपटने के लिए और अपना ध्यान अपने काम पर केंद्रित करने के लिए एक शांत क्षेत्र पर बैठें और अपने फोन को साइलेंट पर कर दें। इसके अतिरिक्त, अपने सहकर्मियों से अनुरोध करें कि काम करते समय आपको किसी ओर बात में न लगाएं।

पोमोडोरो तकनीक को अपनाएं

उचित ध्यान आपको कम समय में अधिक कार्यों को पूरा करने में मदद करता है और ऐसा करना कहने से आसान है। कम समय में कार्यों को पूरा करने के लिए पोमोडोरो तकनीक अपनाएं, जो आपके काम पर ध्यान लगाने में काफी मदद कर सकती है। इसके लिए 25 मिनट का टाइमर सेट करके अपना काम शुरू करें। बजर बजने के बाद पांच मिनट का ब्रेक लें। ऐसा चार बार करें, फिर 20-30 मिनट का लंबा ब्रेक लें।

व्यायाम है जरूरी

शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पूरी तरह से एक-दूसरे पर निर्भर होते हैं, इसलिए नियमित व्यायाम से न केवल शारीरिक ताकत और स्वास्थ्य में सुधार होता है, बल्कि यह मस्तिष्क को तरोताजा रखने में भी सहयोग प्रदान करता है। इसके लिए रोजाना 30-40 मिनट के लिए एरोबिक एक्सरसाइज करना कारगर साबित हो सकता है। इसके अलावा, हर रोज कम से कम 10 मिनट के लिए मेडिटेशन जरूर करें क्योंकि इससे भी एकाग्रता क्षमता मजबूत हो सकती है।

थोड़ा-बहुत कैफीन का सेवन करें

कॉफी या ग्रीन टी जैसे कैफीन युक्त पेय का थोड़ी मात्रा में सेवन करने से कोई नुकसान नहीं होगा। कैफीन एक ऐसा तत्व है, जो आपकी एकाग्रता क्षमता में सुधार करने में काफी मदद कर सकता है। अगर आप कैफीन युक्त पेय पसंद नहीं करते हैं तो आप कोको की 70त्न या उससे अधिक मात्रा वाली डार्क चॉकलेट का सेवन भी कर सकते हैं।

समान कार्यों पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करें

मल्टीटास्किंग बंद करें और समान कार्यों पर एक साथ ध्यान लगाने की कोशिश करें। अपने काम को सहज बनाने के लिए सभी कार्यों को एक-एक करके पूरा करें। एक कार्य को बीच छोड़कर दूसरे कार्य को करने से आप भ्रमित हो सकते हैं और आप तनाव या चिंता जैसे मानसिक विकारों से घिर सकते हैं। अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन के अनुसार, मल्टीटास्किंग से उत्पादकता लगभग 40त्न कम हो जाती है। यह तरीका बच्चों की एकाग्रता में भी काम आएगा।

ब्रिटेन में अब तक की सबसे भीषण गर्मी झेल रहे लोग,पहली बार तापमाप 40 डिग्री पहुंचा

लंदन,19 जुलाई 2022। ब्रिटेन में इस समय लोगों को अप्रत्याशित भीषण गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। राजधानी लंदन के कुछ हिस्सों में सोमवार की रात काफी गर्म रही और तापमान 26 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

नदियों-झीलों में नहाने के दौरान पांच लोगों की मौत

ब्रिटेन के मौसम विभाग ने राजधानी लंदन समेत मध्य, उत्तरी और दक्षिण-पूर्वी इंग्लैंड के इलाकों में भीषण गर्मी के कारण रेड अलर्ट जारी किया है। अनुमान है कि भीषण गर्मी से राहत पाने के लिए नदियों और झीलों में नहाने के दौरान कम से कम पांच लोगों की डूबने से मौत हो गयी।

पहली बार इंग्लैंड में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस

मौसम वैज्ञानिक रचेल आयेर्स ने कहा, ÷ब्रिटेन में मंगलवार का दिन गर्मी के मद्देनजर बेहद अप्रत्याशित हो सकता है, इंग्लैंड के कुछ इलाकों में इस दौरान तापमान संभवतः 41 डिग्री सेल्सियस के उच्च स्तर तक पहुंच जाएगा। यह एक रिकॉर्ड होगा। हमने पहली बार इंग्लैंड में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस देखा है।''

ट्रेनों और उड़ानों को भी रद्द करने की संभावना

रचेल आयेर्स के मुताबिक, भीषण गर्मी के कारण कुछ सड़क मार्गों को बंद किया जा सकता है जबकि ट्रेनों और उड़ानों को भी रद्द करने की संभावना है। भीषण गर्मी के कारण सड़कों पर फंसे हुए लोगों के स्वास्थ्य को भी गंभीर खतरा पैदा हो सकता है।

पूर्वी इंग्लैंड के सफोल्क इलाके में सोमवार को अधिकतम तापमान 38.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। स्कॉटलैंड और वेल्स इलाकों में भी तापमान काफी अधिक रहा।

पृथ्वी से टकरा सकता है सोलर तूफान,ब्लैकआउट और हवाई यातायात बाधित होने की आशंका

वाशिंगटन, 19 जुलाई 2022। सूर्य से निकलकर एक विशाल सौर ज्वाला धरती को ओर बढ़ रही है! इस भयानक सौर ज्वाला के जल्द ही पृथ्वी से टकराने की आशंका है। इससे एक शक्तिशाली सौर तूफान उत्पन्न सकता है, जो यहां रेडियो ब्लैकआउट का कारण बनने के लिए काफी है। इसकी वजह से जीपीएस नैविगेशन, मोबाइल फोन सिग्नल और सैटलाइट सिग्नल में भी रुकावट पैदा हो सकती है।

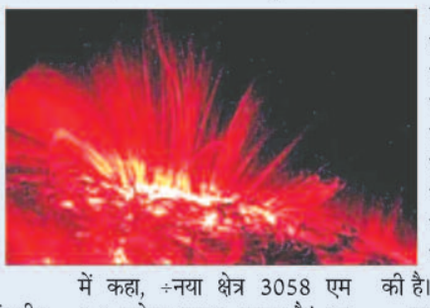

राष्ट्रीय समुद्री और वायुमंडलीय प्रशासन (एनओएए) ने इसे लेकर अलर्ट जारी किया है। यह सोलर फ्लेयर 14 जुलाई को सूर्य की सतह से फूटा था और पृथ्वी की ओर बढ़ रहा है। इस महीने की शुरुआत में भी एक भू-चुंबकीय तूफान पृथ्वी से टकराया था जिससे कनाडा के ऊपर चमकीला अरोरा (तेज रोशनी का पुंज) बन गया था।

अंतरिक्ष मौसम विशेषज्ञ डॉ. तमिथा स्कोव ने सूर्य से निकलने वाली इस सौर ज्वाला के बारे में ट्विटर पर अपनी प्रतिक्रिया पोस्ट की है। तमिथा स्कोव ने ट्विटर पोस्ट में कहा, ÷नया क्षेत्र 3058 एम 2.9-फ्लेयर फायर करता है! यह अब एक्स-फैक्टर के साथ सूर्य पर चौथा क्षेत्र है। एनओएए ने एक्स-फ्लेयर होने वाले जोखिम को 10 फीसदी बताया है, लेकिन यह जल्द ही बढ़ सकता है।÷

एक्स-क्लास फ्लेयर का क्या मतलब है?

सोलर फ्लेयर्स के लिए एक्स-फैक्टर सबसे तीव्र फ्लेयर्स में से एक को दर्शाता है और संख्या के साथ-साथ सौर ज्वाला की तीव्रता का प्रतीक इसकी ताकत को दर्शाता है। सौर ज्वालाओं को उनकी तीव्रता के आधार पर चार वर्गों - ए, बी, सी, एम और एक्स में वर्गीकृत किया गया है। इसमें सबसे शक्तिशाली सोलर फ्लेयर एक्स-क्लासिफाइड सोलर फ्लेयर होगा, जबकि एम दूसरा सबसे शक्तिशाली सोलर फ्लेयर है। उन्होंने सूर्य की ज्वालाओं की पृथ्वी से सीधी टक्कर की भविष्यवाणी की है।

पृथ्वी पर सोलर फ्लेयर्स का प्रभाव

डॉ. स्कोव ने आगे कहा कि ÷अधिक रेडियो ब्लैकआउट से पृथ्वी पर दिन में रेडियो संचालन को प्रभावित करने की संभावना है। जीपीएस उपयोगकर्ता सुबह और शाम के समय सतर्क रहें।÷ इसका मतलब है कि सौर तूफान से पृथ्वी पर जीपीएस नेविगेशन सिस्टम के ब्लैकआउट होने की उम्मीद है।

साजिथ प्रेमदासा राष्ट्रपति की उम्मीदवारी से पीछे हटे,संसद ने की तीन नामों की घोषणा

कोलंबो, 19 जुलाई 2022। श्रीलंका इन दिनों आर्थिक संकट के साथ सियासी अस्थिरता से जूझ रहा है। राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे देश छोड़कर भाग चुके हैं और अपना इस्तीफा भी दे चुके हैं। प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे उनका कार्यभार संभाल रहे हैं। देश में नए राष्ट्रपति चुनाव के लिए तारीख की घोषणा हो चुकी है। 20 जुलाई को नया राष्ट्रपति चुना जाना है। इस बीच श्रीलंका को एक और सियासी झटका लगा है।

राष्ट्रपति की दौड़ में सबसे आगे चल रहे विपक्षी नेता साजिथ प्रेमदासा ने अपना नाम वापस ले लिया है। इस बात की जानकारी उन्होंने ट्विटर के माध्यम से दी। उन्होंने ट्वीट किया, मैं अपने देश, जिसे मैं प्यार कता हूं, उसकी भलाई के लिए राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी से अपना नाम वापस लेता हूं। उन्होंने कहा, हमारी पार्टी विपक्षी सहयोग की दिशा में कड़ी मेहनत करेंगे।

पहले खुद पेश की थी उम्मीदवारी

इससे पहले साजिथ प्रेमदासा ने राष्ट्रपति पद के लिए खुद उम्मीदवारी पेश की थी। उनहोंने कहा था कि निश्चित रूप से हमारे पास इस आर्थिक संकट से उबरने की योजना है। हम तीन साल से गोतबाया सरकार से कह रहे थे कि गलत सलाह वाले आर्थिक कदम न उठाएं। उन्होंने हमारी नहीं सुनी और हम अभी तबाही की स्थिति में पहुंच गए हैं।

तीन उम्मीदवारों की हुई घोषणा

साजिथ प्रेमदासा के नाम वापस लेने के बाद श्रीलंकाई संसद ने राष्ट्रपति पद के लिए तीन उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रधानमंत्री व कार्यवाहक राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे, दुल्लास अल्हापेरुमा और अनुरा कुमारा दिसानायके कल होने वाले चुनाव में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार होंगे।

श्रीलंका में फिर से आपातकाल

श्रीलंका में कल फिर से आपातकाल लगा दिया गया है। कार्यवाहक राष्ट्रपति रॉनिल विक्रमसिंघे ने यह आदेश दिया था। आदेश में कहा गया है कि आर्थिक संकट को देखते हुए कानून व्यवस्था व आवश्यक वस्तुओं की सुचारू आपूर्ति के लिए 18 जुलाई से आपातकाल लगाया जा रहा है। इससे पहले 13 जुलाई को तत्कालीन राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे के खिलाफ भारी बवाल व जनाक्रोश भड़कने पर श्रीलंका में आपातकाल लगाया गया था। राजपक्षे के देश से भागने के बाद विक्रमसिंघे को कार्यवाहक राष्ट्रपति बनाया गया था। इसके बाद आपातकाल हटा दिया गया था।

श्रीलंका में हालात हुए और खराब,भारतीय अधिकारी पर भी हुआ हमला,उच्चायोग ने सचेत रहने की दी चेतावनी

कोलंबो, 19 जुलाई 2022। आर्थिक और राजनीतिक संकटों का सामना कर रहे श्रीलंका में प्रदर्शन के दौरान वहां तैनात एक भारतीय अधिकारी घायल हो गए। भारतीय उच्चायोग ने मंगलवार को इसके बारे में जानकारी देते हुए वहां भारतीय नागरिकों से हालात से अपडेट रहने को कहा है। भारतीय उच्चायोग ने कहा कि देश के वर्तमान हालातों ते देखते हुए भारतीय नागरिक सचेत रहें। हालात को देखते हुए ही अपनी आवा-जाही करें।

भारतीय उच्चायोग ने इस घटना को लेकर ट्वीट भी किया था। भारतीय उच्चायोग ने अपने ट्वीट में कहा कि उसके अधिकारियों ने सुबह भारतीय नागरिक और भारतीय वीजा केंद्र के निदेशक विवेक वर्मा से मुलाकात की जो सोमवार रात कोलंबो के पास बेवजह किए गए हमले में गंभीर रूप से घायल हो गए।

एक अन्य ट्वीट में उच्चायोग ने कहा कि %भारत और श्रीलंका के लोगों के बीच संबंध हमेशा सौहार्दपूर्ण और मैत्रीपूर्ण रहे हैं। मौजूदा स्थिति में, श्रीलंका में भारतीय नागरिकों से अनुरोध है कि वे नवीनतम घटनाओं के बारे में जागरूक रहें और हालात के हिसाब से आवाजाही और अन्य गतिविधियों की योजना बनाएं। आवश्यकता पड़ने पर आप हमसे संपर्क कर सकते हैं।%

गौरतलब है कि विदेशी मुद्रा की कमी के कारण द्वीप राष्ट्र इतिहास के सबसे गंभीर आर्थिक संकटों का सामना कर रहा है। पिछले दिनों जनता के व्यापक विरोध के कारण राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे देश छोड़कर भाग गए थे और इसके बाद उन्होंने पद से भी इस्तीफा दे दिया था।

श्रीलंका में फिर से आपातकाल

कार्यवाहक राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने नया राष्ट्रपति चुनने के लिए बुधवार को होने वाले महत्वपूर्ण चुनाव से पहले सोमवार को आपातकाल लगा दिया। कार्यवाहक राष्ट्रपति रॉनिल विक्रमसिंघे ने यह आदेश दिया था। आदेश में कहा गया है कि आर्थिक संकट को देखते हुए कानून व्यवस्था व आवश्यक वस्तुओं की सुचारू आपूर्ति के लिए 18 जुलाई से आपातकाल लगाया जा रहा है। इससे पहले 13 जुलाई को तत्कालीन राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे के खिलाफ भारी बवाल व जनाक्रोश भड़कने पर श्रीलंका में आपातकाल लगाया गया था। राजपक्षे के देश से भागने के बाद विक्रमसिंघे को कार्यवाहक राष्ट्रपति बनाया गया था। इसके बाद आपातकाल हटा दिया गया था, लेकिन अब एक सप्ताह में दूसरी बार आपातकाल लगाना पड़ा है।

दरकने लगा है जेलेंस्की का किला!रूस से मिलीभगत का आरोप लगा कर हटा रहे हैं अधिकारियों को

कीव , 19 जुलाई 2022। पांच देशों में नियुक्त राजदूतों को उनके पद से हटाने के बाद अब यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदीमीर जेलेंस्की ने अपनी सरकार के दो महत्त्वपूर्ण पदाधिकारियों को उनके पद से हटा दिया है। राजदूतों की तरह ही इन पदाधिकारियों पर भी रूस से मिलीभगत करने का आरोप लगाया है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया जेलेंस्की के कुछ आलोचकों की छपी टिप्पणियों के मुताबिक राष्ट्रपति ऐसे तमाम लोगों पर रूस से मिल जाने का शक करने लगे हैं, जो उन्हें बातचीत से समाधान की सलाह दे रहे हैं। जबकि युद्ध की बाजी यूक्रेन के हाथ से निकलती देख अब ऐसे अधिकारियों की संख्या बढ़ रही है, जो रूस से बातचीत आगे बढ़ाने का पक्ष ले रहे हैं। आलोचकों का यह भी कहना है कि अगर जेलेंस्की सरकार में ऊंचे पदों पर तैनात अधिकारी रूस से मिलीभगत कर रहे हैं, तो इसे जेलेंस्की की एक बड़ी नाकामी ही माना जाएगा।

जेलेंस्की ने रविवार देर रात एक वीडियो जारी कर कहा- 'आज मैंने महाभियोजक को उनके पद से हटाने और यूक्रेन की सुरक्षा सेवा के प्रमुख को बर्खास्त करने का फैसला किया है।' हटाए गए अधिकारियों का नाम महाभियोजक इरीना वेनेदिकतोवा और स्टेट सिक्योरिटी सर्विस के प्रमुख इवान बाकानोव बताया गया है। ये दोनों लंबी अवधि तक जेलेंस्की के सहयोगी रहे। लेकिन अब जेलेंस्की ने उन पर देशद्रोह का आरोप लगा दिया है। अपने वीडियो संदेश में राष्ट्रपति ने कहा कि उनके प्रशासन में कई विभागों के अधिकारियों पर देशद्रोह में शामिल होने का शक है। जेलेंस्की ने बताया कि अब तक देशद्रोह और दुश्मन से मिलीभगत के आरोप में 651 आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं। जिन अधिकारियों के खिलाफ ये केस दर्ज हुए हैं, उनका संबंध अभियोजक कार्यालय, जांच एजेंसियों और कानून लागू करने वाली दूसरी एजेंसियों से रहा है। उन्होंने कहा- 'खास कर अभियोजक कार्यालय और सुरक्षा सेवा के 60 से ज्यादा कर्मचारी उन क्षेत्रों में रह गए हैं, जिन पर रूस ने कब्जा कर लिया है। वे कर्मचारी अब हमारे राज्य के खिलाफ काम कर रहे हैं।'

बताया गया है कि इसी कारण जेलेंस्की ने वेनेदिकतोवा और बाकानोव को बर्खास्त करने का फैसला किया। जेलेंस्की इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि दोनों विभागों के प्रमुखों की बिना मिलीभगत के इतनी बड़ी संख्या में कर्मचारी कथित रूप से यूक्रेन विरोधी गतिविधियों में शामिल नहीं होते। जेलेंस्की ने कहा कि इन घटनाओं से दोनों विभागों के प्रमुखों के नेतृत्व पर गंभीर सवाल उठे हैं। इन सवालों के उचित जवाब ढूंढना जरूरी है।

इस बीच क्राइमिया में सुरक्षा सेवा के निदेशालय के एक पूर्व प्रमुख को गिरफ्तार कर लिए जाने की खबर है। जेलेंस्की प्रशासन ने उन पर भी देशद्रोह की गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया है। जेलेंस्की समर्थकों का कहना है कि रूस ने जिस आसानी से देश के दक्षिणी इलाकों पर कब्जा कर लिया, वह सिक्योरिटी एजेंसी के कर्मचारियों की मिलीभगत के बिना संभव नहीं था। जबकि आलोचकों की राय है कि ऐसी बातें अपनी ताकत को बढ़ा-चढ़ा कर देखने और कड़वी हकीकत को स्वीकार करने में विफलता का संकेत हैं। हकीकत यह है कि जेलेंस्की का अपना किला दरक रहा है।

आयात रोक की अवधि बढ़ने से अब बेचैन हो उठे हैं नेपाल के कारोबारी

काठमांडो , 19 जुलाई 2022। नेपाल सरकार के दस प्रकार की वस्तुओं के आयात पर रोक की अवधि बढ़ा देने से देश के कारोबारियों में मायूसी छा गई है। प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा की सरकार ने आयात पर रोक की अवधि 45 दिन और बढ़ाने का एलान किया है। सरकार ने कहा कि देश के विदेशी मुद्रा भंडार की स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है। इसलिए उसे ये कदम उठाना पड़ा है। इस आदेश के बाद जिन चीजों का आयात करने पर रोक जारी रहेगी, उनमें 300 डॉलर से अधिक कीमत के मोबाइल फोन, 150 सीसी से अधिक क्षमता वाली मोटरसाइकिलें, शराब, तंबाकू, हीरा, 32 इंच स्क्रीन से अधिक वाले टीवी सेट, ऑटोमोबाइल, खिलौने, ताश, और कुछ प्रकार के स्नैक्स शामिल हैं। इन वस्तुओं को लग्जरी आइटम घोषित किया गया है। इनके आयात पर पिछले 26 अप्रैल से रोक जारी है।

नेपाल के कारोबारियों में ताजा सरकारी फैसले पर विपरीत प्रतिक्रिया हुई है। बाजार के कई जानकारों ने कहा है कि इस रोक से जहां कुछ व्यापारियों को फायदा होगा, वहीं इससे बाजार में असंतुलन पैदा होगा। कारोबारियों के मुताबिक इस समय वे त्योहार सीजन की तैयारी में हैं। इस सीजन के लिए जरूरी चीजों के आयात का ऑर्डर दो महीने पहले दिया जाता है। नेपाल ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष ध्रुव थापा ने अखबार काठमांडू पोस्ट से कहा- 'आयात पर रोक 30 अगस्त तक बढ़ा दी गई है। इसका असर ऑटोमोबिल की त्योहार सीजन की बिक्र पर पड़ेगा। ऑर्डर देने के बाद वाहनों की डिलीवरी होने में आम तौर पर तीन महीनों का वक्त लगता है।'

ऑटोमोबाइल व्यापारियों ने कहा है कि देश में लगाई गई रोक के कारण अंतरराष्ट्रीय व्यापारियों और बैंकरों का नेपाल में भरोसा घटने लगा है। नेपाल में साल भर में वाहनों की जितनी बिक्री होती है, उसमें त्योहार सीजन में होने वाली बिक्री का हिस्सा 50 फीसदी है। नेपाल के कस्टम विभाग के मुताबिक पिछले वित्त वर्ष के पहले 11 महीनों में 25.59 अरब रुपये कीमत के दो लाख 57 हजार से अधिक मोटरसाइकिलों का आयात हुआ। इस दौरान देश में कुल ऑटोमोबाइल आयात 93.64 अरब रुपये का रहा। सरकार ने इस संकट के समय में आयात पर रोक इसलिए लगाई है, ताकि इतनी रकम की विदेशी मुद्रा की बचत की जा सके।

नेपाल में आर्थिक संकट लगातार बढ़ रहा है। रासायनिक खादों का अभाव हो जाने से किसान समुदाय परेशान है। इस बीच देश में महंगाई की दर दो अंकों में पहुंच चुकी है। सरकार ने विकास खर्च घटा दिया है।

विक्रमसिंघे के हाथ से निकली बाजी ? बुधवार को संसद चुनेगी नया राष्ट्रपति

कोलंबो , 19 जुलाई 2022। श्रीलंका के राष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष के नेता सजित प्रेमदासा ने बाजी पलटने की चाल चली है। इस चुनाव में कार्यवाहक राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे की राह अब आसान नहीं रह गई है। पहले समझा जा रहा था कि सत्ताधारी श्रीलंका पोडुजजना पेरामुना (एसएलपीपी) का समर्थन होने के कारण व्रिकमसिंघे की जीत तय है। लेकिन सजित प्रेमदासा ने राष्ट्रपति पद की होड़ से खुद को हटा लिया। अपनी जगह उन्होंने सत्ताधारी एसएलपीपी के सांसद डलास अलाहाप्पेरुमा का नाम प्रस्तावित कर दिया।

श्रीलंका की संसद बुधवार को नए राष्ट्रपति का चुनाव करेगी। मंगलवार को इस पद के लिए उम्मीदवारों के पर्चे स्वीकार किए गए। सजित प्रेमदासा ने पहले चुनाव लड़ने का एलान किया था। लेकिन सोमवार को बने नए समीकरणों के तहत उन्होंने खुद को होड़ से अलग कर लिया। प्रेमदासा ने कहा है कि अलाहाप्पेरुमा ने देश को आर्थिक संकट से निकालने के लिए एक ठोस कार्यक्रम सामने रखा है और इसलिए वे उनका समर्थन कर रहे हैं। वामपंथी पार्टी जनता विमुक्ति पेरामुना के नेता अरुणा कुमारा दिसानायके ने भी राष्ट्रपति पद के लिए पर्चा भरा है। लेकिन पर्यवेक्षकों में इस बात पर आम राय है कि मुख्य मुकाबला विक्रमसिंघे और अलाहाप्पेरुमा के बीच ही होगा।

श्रीलंका के संविधान के मुताबिक बीच कार्यकाल में निर्वाचित राष्ट्रपति के हट जाने पर संसद नए राष्ट्रपति का चुनाव करती है। देश में चल रहे जोरदार सरकार विरोधी आंदोलन के कारण 2019 के चुनाव में विजयी हुए गोटाबया राजपक्षे 13 जुलाई को देश छोड़ कर भाग गए। बाद में उन्होंने अपना इस्तीफा भेज दिया। उनकी जगह को भरने के लिए ही बुधवार को चुनाव होगा। श्रीलंका की संसद में 225 सदस्य हैं। बताया जाता है कि उनमें दर्जन भर देश से बाहर हैं। हालांकि कुछ रिपोर्टों में बताया गया है कि बाहर गए सांसदों में से कई मंगलवार रात तक देश लौट आएंगे।

उधर, श्रीलंका फ्रीडम पार्टी (एसएलएफपी) ने कहा है कि किसी एक उम्मीदवार पर आम सहमति न बनने के कारण वह बुधवार के चुनाव में भाग नहीं लेगी। इस पार्टी के 15 सांसद हैं। लेकिन वेबसाइट इकोनॉमीनेक्स्ट.कॉम ने एक रिपोर्ट में बताया है कि एसएलएफपी के कम से कम दस सांसद पार्टी निर्देश का उल्लंघन करते हुए वोट डालेंगे। एसएलएफपी के अध्यक्ष और पूर्व राष्ट्रपति मैत्रिपाला सिरिसेना ने आरोप लगाया है कि उनकी पार्टी के सांसदों को खरीदने के लिए बड़ी मात्रा में धन दिया जा रहा है।

समझा जाता है कि सत्ताधारी एसएलपीपी में फैले असंतोष का फायदा डलास अलाहाप्पेरुमा को मिल सकता है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक पार्टी के कम से कम 105 सांसद अपनी निजी शिकायत लेकर कार्यवाहक राष्ट्रपति से मिल चुके हैं। इनमें से कई सांसदों के घर हाल के जनआंदोलन के दौरान जला दिए गए। उन सांसदों ने विक्रमसिंघे से अपने लिए आवास का इंतजाम करने की मांग की।

एसएलपीपी के महासचिव सागरा करियावसम ने एक बयान जारी कर कहा है कि उनकी पार्टी विक्रमसिंघे का समर्थन करेगी। लेकिन पार्टी के अध्यक्ष जीएल पीरिस ने तुरंत इसका खंडन कर दिया। डलास अलाहाप्पेरुमा के पर्चे पर अनुमोदक के रूप में पीरिस ने दस्तखत किया है। इसे एसएलपीपी में बंटवारे का संकेत माना गया है। इसी कारण अलाहाप्पेरुमा की उम्मीदवारी मजबूत हो गई है।

भतीजे ने बैंक से निकाल ली जमा पूंजी

» पुलिस भतीजे के आने का करती रही इंतेजार,बुजुर्ग दम्पत्ति एसपी से मिलाने का किया इंतजार।

» एसपी का दिन भर किया इंतजार,फोटो वायरल होने पर मिलने बुलाया।

» दिनभर भूखे प्यासे बैठे रहे बुजुर्ग दम्पत्ति एसपी कार्यालय के बाहर, आमजन की मदद से हुआ मुलाकात।

पुलिस अधीक्षक ने बुजुर्ग दंपति को कार्यवाही का दिया है आश्वासन

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर 19 जुलाई 2022(घटती-घटना)। अविभाजित कोरिया जिले के भरतपुर विकासखण्ड अंतर्गत आने वाले जनकपुर पुलिस थाने से एक मामला सामने आया है जिसमें एक बुजुर्ग दंपत्ति की बैंक में जमा पूंजी उसी के भतीजे ने निकाल ली है और फरार हो गया है। वहीं भतीजे के खिलाफ शिकायत लेकर पुलिस थाने गए बुजुर्ग दंपत्ति को पुलिस थाना प्रभारी ने यह कहकर कार्यवाही करने की बात कही की भतीजा फोन पर बोल रहा है कि वह आ रहा है। अपने आप मे यह अजीबोगरीब मामला है क्योंकि शिकायतकर्ता की शिकायत पर पुलिस आरोपी भतीजे को जल्द गिरफ्तार करने का प्रयास बिल्कुल नहीं कर रही है बल्कि वह भतीजे से फोन पर बात करके आश्वस्त है की वह आकर पुलिस थाने में मिलकर पुलिस को अपने ऊपर कार्यवाही करने का अवसर देगा।

मामला डेढ़ माह पुराना है और पीड़ित बुजुर्ग दम्पति अब मामले में पुलिस अधीक्षक से गुहार लगाने पहुंचे थे जहां पुलिस अधीक्षक ने उन्हें आश्वस्त किया कि कार्यवाही की जाएगी और उनके भतीजे को पकड़ा जाएगा। कोरिया जिले की पुलिस व्यवस्था नव पुलिस अधीक्षक की पदस्थापना के पहले कैसी थी इसबात का अंदाजा इसबात से भी लगाया जा सकता है कि पुलिस ने पीड़ित को शिकायत की पावती भी नहीं दी है और पीड़ित लगातार न्याय की गुहार लगा रहा है। अब जब नव पदस्थ पुलिस अधीक्षक के सामने मामला आया है तो थाना प्रभारी का कहना है कि भतीजे से बात हुई है और वह पैसा देने की बात कह रहा है और वह आकर देगा, वहीं पुलिस का पावती न दिए जाने को लेकर यह बयान है कि पावती कुवांरपुर पुलिस चौकी से मिलेगा क्योंकि मामला वहीं का है। वैसे पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर एक बात जरूर कही जा सकती है कि जब मामले में पुलिस को शिकायत दर्ज नहीं करनी होती वह घुमाती रहती है वहीं यदि मामला दर्ज करने का उनका मन है वह शून्य में अन्य पुलिस थानों के भी मामले दर्ज कर लेती है यहां तो मामला अपने ही पुलिस थाने से जुड़ा होने के बावजूद भी पुलिस बुजुर्ग दंपती को चौकी में जाकर पावती लेने की बात कहती रही है।

यह मामला

पूरा मामला जो सामने आया है उसके अनुसार कोरिया जिले के भरतपुर विकासखण्ड के चांटी डोंगरी टोला निवासी लल्लू विश्वकर्मा जो 72 वर्ष के बुजुर्ग हैं और उनकी पत्नी शांति देवी जो 65 वर्ष की बुजुर्ग हैं जिनका की बैंक में बचत खाता है और वह बैंक में ही अपनी जमा पूंजी जमा करते चले आ रहे थे,कुछ माह पहले उनका भतीजा उनके बैंक खातों से मोबाइल नम्बर जोड़कर फोन पे चालू कर राशि आहरण करने लगा और इसबात की खबर बुजुर्ग दंपत्ति को तब जाकर लगी जब वह बैंक राशि आहरण करने पहुंचे, जब बुजुर्ग दंपती को अपने साथ हुए धोखे का पता चला तब उन्होंने भतीजे से पूछा और राशि वापस करने को कहा लेकिन भतीजे ने उन्हें जान से मारने की धमकी दे डाली यह बुजुर्ग दंपत्ति का कहना है और उसके बाद वह जनकपुर पुलिस थाने में जाकर शिकायत दर्ज कराकर कार्यवाही की मांग करने लगे। बुजुर्ग दंपत्ति की शिकायत पर पुलिस ने उनके भतीजे से फोन पर बात की और भतीजे ने वापस आने की बात कही और पुलिस इंतेजार करती रही यह मामले का पूरा पहलू रहा।

बुजुर्ग दंपत्ति को नव पदस्थ पुलिस अधीक्षक ने कार्यवाही का आस्वासन दिया है और अब बुजुर्ग दंपत्ति वापस अपने गांव लौट गया है,भरतपुर विकासखण्ड जिले का वैसे भी दूरस्थ विकासखण्ड है और उसमें भी चांटी ग्राम जहां से बुजुर्ग दंपत्ति अपनी शिकायत लेकर आये थे वह दूरस्थ है अब इतनी दूरी से उन्हें अपने साथ घटी घटना की शिकायत दर्ज कराने और कार्यवाही की मांग करने जिला मुख्यालय आना पड़ा जो उनके लिए बड़ा कठिन था लेकिन वह आकर अपनी आप बीती पुलिस अधीक्षक से कह सुना गए,वैसे दूरस्थ विकासखण्ड में पुलिस अधीक्षक की जन चौपाल लगनी चाहिए जिससे दूरस्थ निवासरत लोगों की समस्या वहीं निराकृत हो सके।

» नव पदस्थ पुलिस अधीक्षक ने मामले को लिया गंभीरता से दिया कार्यवाही का आदेश

पूरा दिन भूखे-प्यासे करना पड़ा इंतजार

जिलामुख्यालय से 150 किमी दूर भरतपुर के चांटी से पहुंचें बुजुर्ग दम्पत्ति को कोरिया जिले के नवपदस्थ एसपी त्रिलोक बंसल से मिलने पूरा दिन भूखे प्यासे इंतजार करना पड़ा, रात में 9 बजे जब एसपी कार्यालय बंद होने के बाद बाहर बैठे दम्पत्ति की फोटो सोशल मीडिया में वायरल हुई तो एसपी साहब हरकत में आए और फौरन पुलिस भेज दम्पत्ति को बुलवाया उनके मामले में जांच के निर्देश दिए और उन्हें उनके घर चांटी भिजवाया। कम्युनिटी पुलिसिंग को लेकर कोरिया जिला हमेशा छला गया है, इसका जीता जागता उदाहरण सप्ताह के पहले वर्किंग डे सोमवार को देखने को मिला, नवपदस्थ एसपी त्रिलोक बंसल से मिलने बुजुर्ग दम्पत्ति लल्लू राम और उनकी पत्नी शांति देवी भरतपुर के चांटी से पहुंचें, सुबह 10 बजे उनके एसपी कार्यालय पहुचने पर पता चला की साहब 12 बजे तक आएंगे, कार्यलय के बाहर बने शेड पर दोनों बैठ गए 12 बजे तक नहीं आने पर बताया गया 2 बजे से क्राइम बैठक है उसके बाद ही मुलाकात हो पाएगी, इस बीच एक पत्रकार ने एसपी से बात की और उन्हें बताया कि एक बुजुर्ग दम्पत्ति आपसे मिलना चाह रहे है बताया गया कि मीटिंग के बाद वे मिलेंगे। कोरिया में क्राइम काफी ज्यादा है तो तय था कि मीटिंग भी लंबी चलेगी रात 9 बजे तक क्राइम मीटिंग चलती रही। जिसकी फोटो सोशल मीडिया में वायरल कर दी गई जिसके बाद एसपी को मामले की जानकारी लगी और उन्होंने दो जवान को गाड़ी में भेजा, दोनों ने मौके पर पहुंच कर बुजुर्ग दम्पत्ति को पुलिस लाइन पहुंचाया, जहां उन्होंने अपनी आपबीती एसपी को बताई, जिसके बाद एसपी ने जनकपुर टीआई को मामले की जांच के निर्देश दिए और कुंवारपुर चौकी प्रभारी को बुजूर्ग दम्पत्ति को उनके घर छोड़ने को कहा।

आरोपी को बुलाने वाले टीआई के हाथ में जांच

बुजुर्ग दम्पत्ति ने 12 लाख की जमीन बेची, दोनों के खातों से उनके भतीजे से 9 लाख रू निकाल लिए और 3 लाख उधार पहले उधारी ले चुका था, डेढ़ माह पूर्व बुजुर्ग दम्पत्ति ने जनकपुर टीआई को आवेदन दिया था, जिस पर टीआई का कहना था कि भतीजा बोला है आने आकर पैसा लौटा देगा, इसी बात से छुब्ध होकर दम्पत्ति एसपी से मिल कर कार्यवाही की गुहार लगाने पहुंचें थे, वहीं एसपी ने मामले की जांच उसी टीआई को सौंप दी।

कई हाथ मदद के लिए बढ़े आगे

एसपी कार्यालय के सामने बैठे बुजूर्ग दम्पत्ति की फोटो वायरल होने पर शहर के कई लोग मदद के लिए आगे आए, लोगो ने फोन लगाकर उनके भोजन से लेकर रूकने की मदद की पेशकश की, कई मौके पर पहुंच कर खाने की सामान देने की कोशिश की, परन्तु बुजुर्ग दम्पत्ति का कहना था कि वो तब तक कुछ नहीं खाएंगें जब तक एसपी साहब से नहीं मिल लेगें।

बंद हुए बस सुविधा को पुनः प्रारम्भ करने को लेकर विद्यार्थियों ने संयंत्र के सामने किया प्रदर्शन

-नगर संवाददाता-

कोरबा 19 जुलाई 2022(घटती-घटना)। जिले के उरगा थाना अंतर्गत ग्राम पताड़ी में संचालित लैंको संयंत्र प्रबंधन के द्वारा पूर्व में संचालित की जा रही बस सुविधा को बंद कर दिए जाने से छात्र- छात्राओं को परेशानी हो रही है। एक तो रास्ता खराब ऊपर से बस बंद कर दिए जाने से परेशान विद्यार्थियों ने बस सुविधा देने की मांग को लेकर लैंको संयंत्र के सामने एकत्र होकर प्रदर्शन किया। उचित समाधान का आश्वासन इन्हें दिया गया और शाम 4 बजे जिला मुख्यालय में बैठक होने की जानकारी उरगा थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश जांगड़े ने दी । गौरतलब है कि पूर्व में लैंको प्रभावित ग्राम खोडल के 50 विद्यार्थी हाई स्कूल पताड़ी, उरगा और सरगबुंदिया में पढ़ने जाया करते थे। इनके लिए पहले लैंको प्रबंधन के द्वारा बस चलाया जा रहा था। अभी खोडल व पताड़ी से कोई विद्यार्थी सरगबुंदिया पढ़ने के लिए नहीं जा रहे हैं, लेकिन शासकीय हाई स्कूल पताड़ी और उरगा में विद्यार्थी पढ़ने के लिए जा रहे हैं, जिनके लिए बस सुविधा की जरूरत है। इन विद्यार्थियों ने बस के लिए अपनी आवाज बुलंद की। इस दौरान लैंको मुख्य द्वार के सामने पुलिस जवानों को भी सुरक्षा हेतु तैनात किया गया था।

कांवरियों का जत्था जलाभिषेक के लिए बाबा धाम रवाना

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर 19 जुलाई 2022(घटती-घटना)। सावन पावन माह लगते ही बाबा धाम जाने वालों का ताता लगा हुआ है प्रतिदिन हर क्षेत्रों से कांवरियों का जत्था जलाभिषेक के लिए बाबा धाम रवाना हो रहा है, पटना से भी बाबा धाम के लिए कांवरियों का एक जत्था रवाना हुआ, कांवरियों के जत्था में शामिल शिवभूषण सोनी ने बताया कि वाराणसी में बाबा विश्वनाथ का दर्शन व जलाभिषेक कर बौद्ध गया बिहार, राजगिर होते देवघर में बाबाधाम व बासुकीनाथ में जलाभिषेक कर रामगढ़ में दामोदर नदी तट स्थित मां छिनमसतिका माता जी का दर्शन करते वापस पटना पधारेंगे। इस टोली में अनिरुद्ध ठाकुर (अधिवक्ता) शिव भूषण सोनी, आशीष सोनी, देवव्रत पांडे, सुनील जायसवाल, संजय मंडल और रविन्द्र रजक शामिल हैं।

दूरस्थ व ग्रामीण अंचल के अस्पतालों में स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव

-नगर संवाददाता-

सूरजपुर 19 जुलाई 2022(घटती-घटना)। रामकोला जैसे दूरस्थ व ग्रामीण अंचल के अस्पतालों में स्वास्थ्य सुविधाओं के आभाव के साथ साथ एम्बुलेंस सेवा भी उपलब्ध नही है।जिससे आम लोगो को भारी दिक्कतों का सामना करना पे रहा है।मामूली सर्दी खासी बुखार जैसी स्थिति में भी ग्रामीणों को प्रतापपुर आना पे रहा है और यहां आने के लिए भी जेब ढीली करनी पे रही हैऐसा ही एक मामला ग्राम पंचायत घुइ की गुलाब सम्पतिया का सामने आया है।उसे बुखार आने पर एम्बुलेंस न मिलने से किराए की वाहन से प्रतापपुर अस्पताल लाया गया।हालांकि इस मामले में जिला कांग्रेस के नेता शिव भजन सिंह मरावी ने उनकी मदद की ओर अस्पताल में

इलाज का इंतजाम कराया है।जिससे ग्रामीण को काफी राहत मिली है। बताया गया है रामकोला में एम्बुलेंस वाहन कहने को है तो जरूर पर महीनों से खराब पे ा है। जिसे तत्काल सुधरवाने की जरूरत है इन दिनों गांव गांव में मौसमी बीमारी का प्रकोप है ऐसे में इस सेवा के न होने से लोगो को काफी मुश्किलें हो रही है। शिव भजन सिंह मरावी ने बताया कि उन्होंने सीएमओ से चर्चा कर तत्काल एम्बुलेंस के सुधार करवाने की मांग की है।ताकि रेवटी, रामकोला गोवर्धनपुर गोविंदपुर डूंगरगढ़ के लोगो को भी इसका लाभ मिल सके। प्रतापपुर हॉस्पिटल से 80 किलोमीटर से दूरी में रामकोला हेतु शासकीय गाड़ी का अतिआवश्यक है। उन्होंने बताया कि कई दिन वे खुद से निजी वाहन से कई मरीजों को हॉस्पिटल पहुंचाया।जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि शिव भजन सिंह मरावी ने लोगो से कोरोना टीका बूस्टर डोज लगाने की अपील भी किया है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

बिलासपुर मण्डल

प्रेस विज्ञप्ति क्र.- COM/BSP/e-auction/NFR & Parcel leasing-1

वाणिज्यिक विज्ञापन एवं एसएलआर पार्सल लिसींग के अनुबंध के लिए ई-नीलामी आमंत्रित की गई है । केटेलॉग पहले ही IREPS वेबसाइट (https://ireps.gov.in) पर प्रकाशित की जा चुकी है । विवरण निम्नानुसार है-

केटेलॉग क्रमांक	श्रेणी	नीलामी आरंभ	लॉट क्रमांक	लॉट क्रमांक	अनुबंध अवधि
BSP-ADV-SBOARD3	विज्ञापन	19-07-22 11:00 बजे	ADVT-BSP-BSP-OSD-84-22-1	**बिलासपुर स्टेशन** परिसर के अंदर डिजिटल एंड्रॉयड/स्क्रॉलर बोर्ड की स्थापना, संचालन एवं विज्ञापन.	5 Years
			ADVT-BSP-CPH-OSD-87-22-1	**चाम्पा स्टेशन** परिसर के अंदर डिजिटल एंड्रॉयड/स्क्रॉलर बोर्ड की स्थापना, संचालन एवं विज्ञापन.	
			ADVT-BSP-RIG-OSD-92-22-1	**रायगढ़ स्टेशन** परिसर के अंदर डिजिटल एंड्रॉयड/स्क्रॉलर बोर्ड की स्थापना, संचालन एवं विज्ञापन.	
			ADVT-BSP-AKT-OSD-85-22-1	**अकलतरा स्टेशन** परिसर के अंदर डिजिटल एंड्रॉयड/स्क्रॉलर बोर्ड की स्थापना, संचालन एवं विज्ञापन.	
			ADVT-BSP-NIA-OSD-86-22-1	**जांजगीर नैला स्टेशन** परिसर के अंदर डिजिटल एंड्रॉयड/स्क्रॉलर बोर्ड की स्थापना, संचालन एवं विज्ञापन.	
BSP-ADV-SBOARD4	विज्ञापन	20-07-22 11:00 बजे	ADVT-BSP-USL-OSD-95-22-1	**उसलापुर स्टेशन** परिसर के अंदर डिजिटल एंड्रॉयड/स्क्रॉलर बोर्ड की स्थापना, संचालन एवं विज्ञापन.	5 Years
			ADVT-BSP-PND-OSD-96-22-1	**पेण्ड्रा रोड स्टेशन** परिसर के अंदर डिजिटल एंड्रॉयड/स्क्रॉलर बोर्ड की स्थापना, संचालन एवं विज्ञापन.	
			ADVT-BSP-APR-OSD-97-22-1	**अनुपपुर स्टेशन** परिसर के अंदर डिजिटल एंड्रॉयड/स्क्रॉलर बोर्ड की स्थापना, संचालन एवं विज्ञापन.	
			ADVT-BSP-BRJN-OSD-93-22-1	**ब्रजराजनगर स्टेशन** परिसर के अंदर डिजिटल एंड्रॉयड/स्क्रॉलर बोर्ड की स्थापना, संचालन एवं विज्ञापन.	
BSP-ADV-SBOARD5	विज्ञापन	21-07-22 11:00 बजे	ADVT-BSP-KRBA-OSD-94-22-1	**कोरबा स्टेशन** परिसर के अंदर डिजिटल एंड्रॉयड/स्क्रॉलर बोर्ड की स्थापना, संचालन एवं विज्ञापन.	5 Years
			ADVT-BSP-SDL-OSD-98-22-1	**शहडोल स्टेशन** परिसर के अंदर डिजिटल एंड्रॉयड/स्क्रॉलर बोर्ड की स्थापना, संचालन एवं विज्ञापन.	
			ADVT-BSP-UMR-OSD-99-22-1	**उमरिया स्टेशन** परिसर के अंदर डिजिटल एंड्रॉयड/स्क्रॉलर बोर्ड की स्थापना, संचालन एवं विज्ञापन.	
			ADVT-BSP-ABKP-OSD-101-22-1	**अम्बिकापुर स्टेशन** परिसर के अंदर डिजिटल एंड्रॉयड/स्क्रॉलर बोर्ड की स्थापना, संचालन एवं विज्ञापन.	
			ADVT-BSP-BJRI-OSD-100-22-1	**बिजुरी स्टेशन** परिसर के अंदर डिजिटल एंड्रॉयड/स्क्रॉलर बोर्ड की स्थापना, संचालन एवं विज्ञापन.	
			ADVT-BSP-MDGR-OSD-102-22-1	**मनेन्द्रगढ़ स्टेशन** परिसर के अंदर डिजिटल एंड्रॉयड/स्क्रॉलर बोर्ड की स्थापना, संचालन एवं विज्ञापन.	
Bsp-parcel-slr3	पार्सल	25-07-22 10:30 बजे	18236-SLR-F2-BSP-BPL-22-1	ट्रेन संख्या **18236** के FSLR-II कोच में पार्सल स्पेस (सिंगल कम्पार्टमेंट)	02 Years
			18257-SLR-R1-BSP-CHRM-22-1	ट्रेन संख्या **18257** के RSLR-I कोच में पार्सल स्पेस (सिंगल कम्पार्टमेंट)	
			18236-SLR-F1-BSP-BPL-22-1	ट्रेन संख्या **18236** के FSLR-I कोच में पार्सल स्पेस (सिंगल कम्पार्टमेंट)	
			18257-SLR-F1-BSP-CHRM-22-1	ट्रेन संख्या **18257** के FSLR-I कोच में पार्सल स्पेस (सिंगल कम्पार्टमेंट)	
BSP-PARCEL-SLR4	पार्सल	26-07-22 10:30 बजे	22940-SLR-F2-BSP-HAPA-22-1	ट्रेन संख्या **22940** के FSLR-II कोच में पार्सल स्पेस (सिंगल कम्पार्टमेंट)	
			17481-SLR-R1-BSP-TPTY-22-2	ट्रेन संख्या **17481** के RSLR-I कोच में पार्सल स्पेस (सिंगल कम्पार्टमेंट)	
			17481-SLR-F2-BSP-TPTY-22-2	ट्रेन संख्या **17481** के FSLR-II कोच में पार्सल स्पेस (सिंगल कम्पार्टमेंट)	
			22940-SLR-R1-BSP-HAPA-22-2	ट्रेन संख्या **22940** के RSLR-I कोच में पार्सल स्पेस (सिंगल कम्पार्टमेंट)	

आर.ओ. नम्बर-50684

वरि.मंडल वाणिज्य प्रबंधक द.पू.म.रेलवे, बिलासपुर

सीपीआर/10/121

पुण्यतिथि के दिन समाधिस्थल पर सम्पन्न हुआ एल्डरमैनो का शपथ ग्रहण समारोह

»आयोजन को लेकर किसी ने सही तो किसी ने कहा कहीं और आयोजित किया जाना था समारोह।

»स्व डॉक्टर रामचन्द्र सिंहदेव की तीसरी पुण्यतिथि पर आयोजित था कार्यक्रम।

»स्व डॉक्टर रामचंद्र सिंहदेव सादगी और अपनी मितव्ययता के लिए थे प्रसिद्ध।

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर 19 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। कोरिया जिले के बैकुंठपुर व शिवपुर चरचा नगरपालिका के नव मनोनीत एल्डरमैनो का आज शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ, यह कार्यक्रम स्व रामचंद्र सिंहदेव प्रथम वित्तमंत्री छत्तीसगढ़ सरकार व पूर्व बैकुंठपुर विधायक की पुण्यतिथि अवसर पर उनके पुण्यतिथि अवसर पर आयोजित होने वाले श्रधांजलि कार्यक्रम के साथ ही आयोजित की गई जिसे लेकर चर्चा जारी रही। कुछ लोगों ने इसे सोशल मीडिया में भी चर्चा का विषय बनाया। पुण्यतिथि अवसर पर शपथ ग्रहण समारोह को किसी ने उचित तो किसी ने अनुचित करार दिया।

अनुचित मानने वालों का मानना है कि स्व रामचंद्र सिंहदेव जिन्हें कोरिया कुमार के नाम से ख्याति प्राप्त थी वह बड़े मितव्ययिता के साथ जीवन जीते थे सादगी साथ ही दिखावे से दूर उनका जीवन ऐसा था जो लोगों के मन को भा जाता था और इसीलिए लोग उनको मनाते थे और चाहते थे। स्व रामचन्द्र सिंहदेव की पुण्यतिथि कार्यक्रम के दौरान शपथ ग्रहण समारोह आयोजन को यह कहकर लोगों ने गलत बताया कि जिस महान व्यक्ति का जीवन सरल सहज साथ ही दिखावे से दूर रह हो और जो जनता के बीच अपनी सादगी के लिए ख्याति प्राप्त रहा हो उसकी पुण्यतिथि को समारोह स्वरूप में मनाना कहां तक उचित कहा जा सकता है। लोगों का मानना है कि कोरिया कुमार डॉक्टर रामचन्द्र सिंहदेव का हमारे बीच नहीं होना एक क्षति है और उनके सभी के बीच नहीं होने से उनका मार्गदर्शन नहीं मिलना क्षेत्र के लिए एक कमी है जो अब कभी पूरी नहीं हो सकती और ऐसे में उनके पुण्यतिथि अवसर पर किसी समारोह का आयोजन सर्वथा अनुचित कहा जा सकता है। वैसे कार्यक्रम को लेकर इसे सही मानने वालों की संख्या भी कम नहीं है। वैसे कार्यक्रम में संख्या ज्यादा नहीं जुटी और इसके लिए कोटवारों को बुलाया गया और कार्यक्रम में भीड़ प्रदर्शित की गई इसबात की भी खबर है। सोसल मीडिया पर भी इस आयोजन को लेकर टिप्पणी हुई और कुछ लोगों ने कुमार साहब स्व रामचन्द्र सिंहदेव की सादगी और उनकी मितव्ययता को लेकर इस कार्यक्रम को गलत बताया और इस आयोजन पर प्रश्नचिन्ह खड़े किए।

भारतीय जनता युवा मोर्चा का प्रदेश सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

-नगर संवाददाता-

सूरजपुर 19 जुलाई 2022(घटती-घटना)। सरकार के द्वारा चुनावी मुद्दों के घोषणा पत्र में युवाओं की दृष्टि से युवाओं को 2500रुपये बेरोजगारी भत्ता और रोजगार देने की बात कही गयी थी पर सरकार के लगभग साढ़े तीन वर्ष पूर्ण होने पर भी अपने घोषणा को पूर्ण करने जैसी स्थिति सामने नहीं दिखती प्रतीत हो रही है। इस विषय को लेकर प्रदेश संगठन के निर्देशानुसार भारतीय जनता युवा मोर्चा सूरजपुर जिले में तीन विधानसभा का घेराव कर प्रदर्शन करेगा। विधानसभा के प्रदर्शन में विधानसभा प्रतापपुर में एसडीएम कार्यालय का घेराव, भटगांव विधानसभा में भैयाथान एसडीएम का घेराव और प्रेमनगर विधानसभा रामानुजनगर तहसील कार्यालय घेराव का कार्यक्रम करेगा । चुनावी घोषणा पत्र के बातों को लेकर युवा मोर्चा प्रशासनिक अधिकारियों के घेराव के माध्यम से विधानसभा स्तर पर प्रदेश सरकार पर प्रदर्शन माना जायेगा।। भाजयुमो जिलाध्यक्ष रविन्द्र भारती ने बताया कि मुख्यमंत्री के खिलाफ विधानसभा प्रदर्शन प्रतापपुर में 20 जुलाई, भैयाथान में 21 जुलाई और रामानुजनगर में 22 जुलाई कोकिया जाएगा।इसके पश्चात आगामी निर्धारित तिथि में जिला मुख्यालय का घेराव करते हुए 24 अगस्त को प्रदेश व्यापी मुख्यमंत्री निवास का घेराव भाजयुमो द्वारा किया जाएगा ।।जिसमे जिले से युवा मोर्चा के कार्यकर्ता शामिल होंगे । भाजयुमो अध्यक्ष रविन्द्र भारती ने कहा कि जिले सभी 14 मण्डल में बेरोजगारी भत्ते के विषय को लेकर टेंट चौपाल लगाकर बेरोजगारी फॉर्म भराया जाने का कार्यक्रम भी जारी है,ऐसा कार्यक्रम हाट - बाजार , तहसील कार्यालय के मन कॉलेज के सामने चौंक चौराहे पर किया जाना तय हुआ है ।।

कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा कृषि भूमि पर भारी वाहनों को चलाकर किया जा रहा बंजर

-नगर संवाददाता-

कोरबा 19 जुलाई 2022(घटती-घटना)। आदिवासियों के हितों की रक्षा के लिए राज्य से लेकर राष्ट्रीय स्तर पर बात होती है, किन्तु आदिवासियों के समक्ष जीवन यापन का संकट एक निजी ठेका कंपनी के द्वारा उत्पन्न कर दिया गया है। किसानों की जमीन को बंजर बनाने का काम किया जा रहा है, जिससे वे अपने कृषि कार्य नहीं कर पा रहे हैं और आजीविका पर संकट उत्पन्न होने लगा है। कोरबा जिले से चांपा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग 149 बी में गावर कंस्ट्रक्शन लिमिटेड कंपनी के द्वारा सड़क निर्माण का कार्य कराया जा रहा है। जनहित के इस कार्य के संबंध में अच्छे कार्य की अपेक्षा रखते हुए ग्राम पंचायत कोथारी की सरपंच द्वारा प्लांट के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र देने के साथ ही हर संभव मदद व सहयोग किया गया ,लेकिन कंपनी और कंपनी के लापरवाह कर्मचारियों/अधिकारियों के द्वारा जन विरोधी कार्य किया गया है। इसकी वजह से आदिवासी किसानों की कृषि भूमि पर बिना सूचना व बिना अनुमति के सीमेंट स्लैब एवं अन्य भारी सामान रखे गए हैं एवं कृषि भूमि पर भारी वाहनों को चलाकर उसे बंजर में तब्दील किया जा रहा है। कृषि भूमि पर आवागमन करने में काफी परेशानियों का सामना किसानों को करना पड़ रहा है। आय का मुख्य साधन कृषि वाले किसानों के लिए खरीफ फसल वर्ष भर के जीविका का एकमात्र विकल्प है और गावर कंपनी के लापरवाह अधिकारियों/कर्मचारियों के कारण कृषि भूमि बंजर हो जाने और सामानों को बिना अनुमति रख दिए जाने से कृषि कार्य नहीं हो पा रहा है।सरपंच श्रीमती अशोक बाई कंवर ने कड़े शब्दों में ठेका कंपनी के अधिकारियों को कहां है कि, 3 दिन के भीतर आदिवासी किसानों की कृषि भूमि में रखे निर्माण सामग्रियों को हटाकर भूमि को पहले की तरह सुधार किया जाए अन्यथा गावर कंपनी के प्लांट के सामने पूर्ण कार्य बंद आंदोलन किया जाएगा जिसकी समस्त जवाबदारी कंपनी की होगी। इसके साथ ही ग्राम पंचायत द्वारा प्रदान किए गए अनापत्ति प्रमाण पत्र को भी निरस्त कर दिया जाएगा। इस पूरे वाकये से रामपुर विधायक ननकीराम कंवर को भी अवगत कराया गया है।

न्यायालय तहसीलदार लखनपुर जिला-सरगुजा छ0ग0

ईश्तहार

लखनपुर दिनांक 11/07/2022

प्रति,

समस्त ग्रामवासी
ग्राम लोसंगा
तहसील लखनपुर

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका मोती राम आ0 राम अवतार निवासी ग्राम लोसंगा तहसील लखनपुर के द्वारा अपने (बाबा) स्व0 वृक्षा राम की मृत्यु दिनांक 05/07/2009 को हो जाने से (जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1969 की धारा 13(3) एवं छ0ग0 जन्म मृत्यु रिज0 नियम 2001 के नियम 9 (3) के तहत मृत्यु प्रमाण-पत्र हेतु आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है जिस पर दिनांक 27/07/2022 को सुनवाई की जानी है।

आवेदक/आवेदिका के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पेशी तिथि 27/07/2022 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

सील

तहसीलदार
लखनपुर
जिला सरगुजा (छ0ग0)

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202206020700234

विषयः- अ-27 मामले की श्रेणी-राजस्व
सनः- 2021-2022

नमनाकला प .ह.न. 00020 (हे0)
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार-शिवनाथ सिंह,
अनवेदक पक्षकार- सिद्धनाथ सिंह

ईश्तहार

आवेदक शिवनाथ सिंह आ0 स्व0 टेकनाथ सिंह निवासी नमनाकला, पटपरिया अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम नमनाकला तहसील अम्बिकापुर स्थित खसरा नंबर 185/1, 179/8 रकबा क्रमशः 1.179, 0.422 हे0 भूमि का उभयपक्ष के मध्य में बंटवारा किए जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 25/07/2022 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 21/06/2022 को जारी किया जाता है।

सील

तहसीलदार
सरगुजा (अम्बिकापुर)

लंकाशायर के साथ खेलते हुए जेम्स एंडरसन से सीखने को लेकर उत्साहित हैं वाशिंगटन सुंदर

नई दिल्ली, 19 जुलाई 2022। भारतीय आलराउंडर वाशिंगटन सुंदर लंकाशायर के लिए खेलने के दौरान दिग्गज तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन से सीखने को लेकर उत्साहित हैं और उन्होंने कहा कि वो अपने 'प्लेस्टेशन' पर खेलने के दौरान भी इसी टीम को चुनते थे. पिछले साल जुलाई में अंगुली में चोट लगने के बाद 22 साल के वाशिंगटन इंग्लैंड की काउंटी टीम के साथ खेलकर प्रथम श्रेणी क्रिकेट में वापसी करेंगे. इस चोट के कारण वो पिछले साल भारत के इंग्लैंड दौरे से बाहर हो गए थे और इंडियन प्रीमियर लीग 2021 के दूसरे चरण में भी नहीं खेल पाए थे

वाशिंगटन ने क्लब के आधिकारिक यूट्यूब चैनल को दिए साक्षात्कार में कहा, ''मुझे याद है कि जब मैं अपने प्लेस्टेशन पर खेलता था तो यहां अधिकांश घरेलू टीम के खिलाफ लंकाशर को ही चुनता था. यहां आकर लंकाशायर के लिए खेलना शानदार है

इस युवा आलराउंडर ने कहा, ''क्लब के पास कुछ युवा प्रतिभाएं और कुछ अनुभवी खिलाड़ी हैं. मैं उनके साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने और यहां क्रिकेट कैसे खेला जाता है यह जानकारी साझा करने को लेकर उत्सुक हूं.

वाशिंगटन ने कहा कि उन्हें वीडियो गेम खेलते हुए एंड्रयू फ्लिंटॉफ बनना पसंद था. ये भारतीय आलराउंडर रॉयल लंदन वनडे प्रतियोगिता के पूरे सीजन के लिए उपलब्ध रहेगा और उनके कुछ काउंटी चैंपियनशिप मुकाबलों में भी खेलने की उम्मीद है.

उन्होंने कहा, ''मुझे एंड्रयू फ्लिंटॉफ बनना पसंद था क्योंकि इससे मुझे तेज गेंदबाजी और स्विंग के चार ओवर मिलते थे और बेशक वह छठे या सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए कुछ बड़े छक्के भी लगा सकता है.''

वाशिंगटन ने कहा, ''बेशक जेम्स एंडरसन दिग्गज खिलाड़ी है, वो गेंद को दोनों तरफ स्विंग करा सकता है. यहां उनके साथ खेलने को लेकर उत्सुक हूं, देखना चाहता हूं वह कैसे गेंदबाजी करता है और अपना काम कैसे करता है.''

आफ स्पिन गेंदबाज और बाएं हाथ के बल्लेबाज वाशिंगटन पहले ही तीनों प्रारूपों में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और इंडियन प्रीमियर लीग में भी वह 50 से अधिक मैच खेले हैं.

वाशिंगटन 2017 में 18 साल और 80 दिन की उम्र में भारत की ओर से टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने वाले सबसे युवा क्रिकेटर बने थे. वह 31 टी20 मैच में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं जिसमें उन्होंने 25 विकेट चटकाए हैं.

दक्षिण अफ्रीका की नई टी20 लीग के आयुक्त बने पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ

पर्थ 19 जुलाई 2022। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ को देश की नई टी20 लीग का कमिश्नर बनाया गया, ऐसा पहली बार होगा जब किसी क्रिकेटर को ऐसी लीग का प्रमुख नियुक्त किया गया है. स्मिथ ने खेल में एक खिलाड़ी, कप्तान, कमेंटेटर, राजदूत, सलाहकार और हाल ही में क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के क्रिकेट निदेशक के रूप में काम किया है. खेल के बारे में उनकी समझ किसी से कम नहीं है, जो लीग को दुनिया में आगे बढ़ाने में काम करेगी

उनके पहले कार्यों में ब्रांड को विकसित करना और देश में सालाना होने वाले क्रिकेट उत्सव के लिए भाग लेने वाली फ्रेंचाइजी की पुष्टि करना होगा. लीग का पहला सीजन जनवरी-फरवरी 2023 में होने वाला है

स्मिथ ने क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका को बताया, मैं इस रोमांचक नए उद्यम का नेतृत्व करने के लिए बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं. मैं दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट के लिए गहराई से प्रतिबद्ध हूं और जितना हो सके खेल की सेवा करने के लिए खुश हूं. मैं नई लीग देने के अवसर से उत्साहित हूं, जो खेल में बहुत आवश्यक निवेश ला सकता है और प्रोटियाज और दुनिया भर के खिलाड़ियों के लिए नए अवसर प्रदान कर सकता है.÷

स्मिथ ने कहा, हितधारकों की प्रतिक्रिया अब तक बहुत सकारात्मक रही है और हमने शुरूआती चरणों में काफी प्रगति की है. हम दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट के लिए एक मूल्यवान और आकर्षक टूर्नामेंट देने के लिए प्रतिबद्ध हैं.÷

नई भूमिका में स्मिथ का स्वागत करते हुए, सीएसए के मुख्य कार्यकारी फोलेत्सी मोसेकी ने कहा, ÷मैंने डीओसी के रूप में उनकी भूमिका के दौरान ग्रीम के साथ मिलकर काम किया और उनका मानना है कि वह दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट के इस नए अध्याय का नेतृत्व करने के लिए एकदम सही उम्मीदवार हैं.

बाबर आजम के 3 हजार टेस्ट रन पूरे,विराट कोहली की बराबरी

पेशावर 19 जुलाई 2022। क्रिकेट की दुनिया में इन दिनों बाबर आजम का जलवा तेजी से बुलंद हो रहा है. उनकी तुलना भारत के स्टार बल्लेबाज और पूर्व कप्तान विराट कोहली से भी खूब हो रही है. पाकिस्तान का यह युवा कप्तान तेजी से नए-नए रिकॉर्ड अपने नाम कर रहा है और इस कड़ी में उन्होंने मंगलवार को टेस्ट क्रिकेट में अपने 3000 टेस्ट रन भी पूरे कर लिए. आजम ने अपने तीन हजार टेस्ट रन का आंकड़ा विराट कोहली की गति से ही हासिल किया है

श्रीलंका के खिलाफ गॉल में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच की दूसरी पारी में बाबर आजम ने जैसे ही कसुन रजीथा की गेंद पर अपनी पारी का 31वां रन दौड़कर पूरा किया. उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 3000 रन बनाने की उपलब्धि अपने नाम कर ली. आजम ने 73वीं टेस्ट पारी में यह मुकाम हासिल किया.

विराट कोहली ने भी 6 साल पहले अपनी 72वीं टेस्ट पारी में ही 3000 टेस्ट रन का आंकड़ा छुआ था. हालांकि रनों के मामले में भले बाबर आजम विराट कोहली के बराबर दिख रहे हों लेकिन वह शतकों के मामले में विराट कोहली से अभी भी पीछे हैं.

विराट के नेतृत्व में अगर मैं खेलता तो वो तीनों विश्व कप जीतता:श्रीसंत

नई दिल्ली, 19 जुलाई 2022। विराट कोहली को भारत के सबसे सफल लीडर्स में से एक माना जाता है. हालांकि एक भी विश्व कप नहीं जीता पाना एक ऐसी चीज है जो पूर्व भारतीय कप्तान के प्रोफाइल पर दाग लगाती है. स्पॉट फिक्सिंग के मामले में सजा पाने वाले पूर्व तेज गेंदबाज एस श्रीसंत का मानना है कि अगर वो विराट के नेतृत्व में खेल रहे होते तो वो इतने बदकिस्मत साबित नहीं होते. भारत ने अपना आखिरी आईसीसी टूर्नामेंट महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में साल 2013 में इंग्लैंड के खिलाफ जीता था. तब टीम इंडिया चैंपियंस ट्रॉफी अपने नाम करने में सफल रही थी. इसके बाद बीते नौ सालों से टीम इंडिया को अपने अगले आईसीसी कप की तलाश है

विराट कोहली के नेतृत्व में भारत 2017 चैंपियंस ट्रॉफी, विश्व कप 2019 और टी20 विश्व कप 2021 में खिताब जीतने से महरूम रही थी.एस श्रीसंत ने शेयरचैट ऑडियो चैटरूम में मंगलवार को कहा, अगर विराट कोहली की कप्तानी में मैं भारतीय टीम का हिस्सा होता तो भारत साल 2015, 2019 और 2021 का विश्व कप जरूर जीतता.÷

स्पॉट फिक्सिंग में हुए थे गिरफ्तार

श्रीसंत को साल 2013 में दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया था. उनपर आरोप था कि आईपीएल के दौरान उन्होंने बुकीज के साथ मिलकर मैच के दौरान स्पॉट फिक्सिंग की थी.

बाद में उन्हें पेश मामले में अदालत से राहत मिल गई थी. बीसीसीआई ने उनपर लगे प्रतिबंध साल 2020 में हटा दिए थे. श्रीसंत एक बार फिर भारत के लिए खेलने की इच्छा जता चुके हैं. वो केरल की तरफ से रणजी ट्रॉफी में खेलते हुए भी नजर आए थे. हालांकि 39 साल की उम्र में अब उनके लिए टीम इंडिया में वापसी की राहें आसान नजर नहीं आती. आमतौर पर इस उम्र में खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके होते हैं

चेतेश्वर पुजारा बने कप्तान,ससेक्स टीम को लीड करेगा भारतीय बल्लेबाज

नई दिल्ली, 19 जुलाई 2022। भारतीय टीम के टॉप ऑर्डर बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा को इंग्लिश काउंटी टीम ससेक्स ने एक बड़ी जिम्मेदारी दी है. पुजारा को ससेक्स काउंटी टीम का अंतरिम कप्तान बनाया गया है. टीम के रेगुलर कप्तान टॉम हैन्स चोटिल हैं. लिसेस्टरशायद के खिलाफ बीते मुकाबले के दौरान उनके हाथ पर चोट लग गई थी. यही वजह है कि उन्हें अगले चार से पांच सप्ताह के लिए आराम दिया गया है. चेतेश्वर पुजारा इस सीजन काउंटी चैंपियनशिप डिविजन-2 में खेलते हुए ससेक्स के लिए 750 से अधिक रन बना चुके हैं.

ससेक्स के मुख्य कोच इयान सैलिसबरी ने बयान जारी कर कहा, ÷टॉम की गैरमौजूदगी में पुजारा टीम के नेतृत्व के लिए उत्साहित हैं. उन्हें इस टीम में काफी क्षमता दिखती है. वो एक स्वभाविक लीडर हैं.

केस तो बनता है के वकील बने रितेश देशमुख

बॉलीवुड अभिनेता रितेश देशमुख कॉमेडी रियलिटी वेब शो केस तो बनता है में वकील की भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। साप्ताहिक कॉमेडी शो, जो ओटीटी पर आएगा, को बॉलीवुड के शीर्ष सितारों की विशेषता वाला भारत का पहला कॉमेडी कोर्ट माना जाता है। शो में डिजिटल कंटेंट क्रिएटर और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर कुशा कपिला और बॉलीवुड अभिनेता वरुण शर्मा भी होंगे। रितेश जुंटा का वकील की भूमिका निभा रहे हैं और बॉलीवुड की कुछ सबसे बड़ी हस्तियों के खिलाफ सबसे विचित्र और प्रफुल्लित करने वाले आरोप लगा रहे हैं, जिनका बचाव उनके वकील वरुण करेंगे। अपने नए शो के बारे में बात करते हुए, रितेश ने कहा, यह मेरे जीवन का अब तक का सबसे बहुप्रतीक्षित मामला है।

मैं आपको बता नहीं सकता कि मैं कितना उत्साहित हूं। वरुण, कुश और मेरे पास इस शो की शूटिंग के लिए हमारे जीवन का समय था, और केस तो बंता है हमारे प्यार का एक श्रम है। इस शो में वह सब कुछ है जो आप मांग सकते हैं - हंसी और ढेर सारे मजेदार क्षण जो मनोरंजन के स्तर को ऊंचा रखेंगे। मुझे यकीन है कि पूरे भारत के दर्शक हंसी नहीं रोकेंगे। अतिथि हस्तियों के भाग्य का फैसला कुशा द्वारा निभाई गई एक न्यायाधीश द्वारा किया जाएगा, जिसका अंतिम शब्द प्रबल होगा। नए आयाम जोड़ने वाले गवाह होंगे जो विभिन्न अवतारों में दिखाई देंगे। बनिजय एशिया द्वारा निर्मित, यह शो 29 जुलाई को अमेजन मिनीटीवी, अमेजन शॉपिंग ऐप और फायर टीवी पर शुरू होगा।

नागा चैतन्य की थैंक यू का ट्रेलर हुआ रिलीज

साउथ इंडस्ट्री के एक्टर नागा चैतन्य की अपकमिंग फिल्म थैंक यू का ट्रेलर मंगलवार को रिलीज हुआ। दर्शक ट्रेलर को काफी पसंद कर रहे हैं। थैंक यू सेल्फ-डिस्कवरी की थीम पर आधारित फिल्म है। फिल्म में नागा चैतन्य अभि नाम के युवक का किरदार निभा रहे हैं, जो एक सफल बिजनेसमैन है। वह कभी खुशमिजाज इंसान हुआ करता था, लेकिन जिंदगी के हालातों ने उसे खुदगर्ज और अभिमानी बना दिया। उन्हें एक आक्रामक व्यक्ति के रूप में दिखाया गया है, जिसे अपनी सफलता पर गर्व है। ट्रेलर में चैतन्य के अलग-अलग लुक नजर आ रहे हैं। ट्रेलर काफी शानदार है। निर्माताओं को इस फिल्म से काफी उम्मीदें है। फिल्म में राशि खन्ना, मालविका नायर और अविका गोर भी लीड रोल में हैं। थैंक यू इस महीने की 22 तारीख को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म को दिल राजू और सिरीश प्रोड्यूस कर रहे हैं। वहीं म्यूजिक कंपोज थमन ने किया है।

एक्शन से भरपूर फिल्म एजेंट का हिंदी वर्जन टीजर आउट

अखिल अक्किनेनी द्वारा निर्देशित एक्शन ड्रामा एजेंट के टीजर में अखिल, जो पहले कभी नहीं देखे गए पोज में शीर्षक की भूमिका निभाता है, अपने कठिन पक्ष का खुलासा करता है। शिव कार्तिकेयन और किच्छा सुदीप ने टीजर को क्रमशः तमिल और कन्नड़ में साझा करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया, जबकि अखिल और ममूटी ने तेलुगु और मलयालम में ऐसा ही किया।

हिंदी वर्जन का टीजर भी आउट हो गया है। टीजर मलयालम सुपरस्टार ममूटी द्वारा निभाई गई राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी के प्रमुख महादेव की आंखों के माध्यम से कार्रवाई का अनुसरण करता है। महादेव द्वारा एक जांच का नेतृत्व करने के लिए बुलाया गया, एजेंट बस इसे बहादुरी, शिष्टता और स्वैग के प्रदर्शन के साथ मार देता है।

एक्शन से भरपूर किरदार का परिचय अखिल के मेकओवर के बाद होता है, जो कि आश्चर्यजनक है। साक्षी वैद्य एक ही सीन में स्टाइलिश और प्यारी लगती हैं, और ममूटी बेहतरीन हैं। सुरेंद्र रेड्डी के दृश्यों के कारण भी प्रभाव बढ़ गया है। सिनेमैटोग्राफर रसूल एलोर का एजेंट की दुनिया का चित्रण उल्लेखनीय है। हिप हॉप तमीज का बैकग्राउंड स्कोर एक प्लस के रूप में आता है और प्रोडक्शन वैल्यू आशाजनक दिखती है।

पुलिस अधिकारी की पत्नी की भूमिका में नजर आ रही डोनल बिष्ट

बिग बॉस 15 फेम डोनल बिष्ट आगामी बदला और खोजी सीरीज दून कांड में एक पुलिस अधिकारी की पत्नी की भूमिका निभाती नजर आएंगी। वह इकबाल खान और इंद्रनील सेनगुप्ता के साथ अभिनय कर रही हैं।

डोनल कहते हैं, यह बदला लेने की कहानी मसूरी की खूबसूरत पहाड़ियों में फिल्माई गई है जो इसे अजीब बनाती है और उन गैंगस्टर कहानियों से बहुत दूर है जो हम मुंबई के आसपास या घटिया जगहों पर देखते हैं। मैं तमन्ना की भूमिका निभाता हूं जिसका जीवन 360 डिग्री मोड़ लेता है इकबाल खान द्वारा निभाए गए पुलिस अधिकारी से शादी करने के बाद।अभिनेत्री ने अपनी भूमिका के बारे में बताते हुए कहा, वह एक नरम दिल वाली लड़की है जिसमें बड़ी ताकत और परिवार की बंधन शक्ति है। इस तरह के एक अद्भुत स्थान में शूटिंग बहुत अच्छी थी, हम लॉकडाउन खत्म होने के करीब डेढ़ महीने तक वहीं रहे।

उन्हें उम्मीद है कि उनके प्रशंसकों को वेब सीरीज में उनका प्रदर्शन पसंद आएगा।

वह निष्कर्ष निकालती है, मुझे अपने सभी सह-कलाकारों के साथ काम करने में बहुत मजा आया और हम एक परिवार की तरह बन गए। मुझे वास्तव में उम्मीद है कि वेब शो में मेरी भूमिका सभी को पसंद आएगी और उन्हें मेरा प्रदर्शन उतना ही पसंद आएगा जितना मुझे इसमें काम करने में मजा आया। मनोज खाड़े द्वारा निर्देशित उत्तराखंड पर आधारित यह वेब सीरीज राज्य के पुलिस बल के एसएसपी और एक अत्यधिक प्रभावशाली ड्रग लॉर्ड के बीच आगे-पीछे की कहानी है। पहले इन कोल्ड ब्लड नाम से यह सीरीज अब अपने नए टाइटल दून कांड के तहत रिलीज होगी। इसका प्रसारण 18 जुलाई से वूट पर हो रहा है।

29 जुलाई को रिलीज होगी जाह्नवी कपूर की गुडलक जेरी

अभिनेत्री जाह्नवी कपूर की आगामी फिल्म गुडलक जेरी 29 जुलाई को डिजिटल रूप से रिलीज होने के लिए बिल्कुल तैयार है। जान्हवी ने कहा, गुडलक जेरी एक रोमांचक अनुभव रहा है क्योंकि इसने मुझे पूरी तरह से अनूठी शैली का पता लगाने का मौका दिया।

सिद्धार्थ वास्तव में मेरे अंदर जेरी को बाहर लाने में उत्प्रेरक रहे हैं।आनंद एल राय के साथ काम करना एक समृद्ध और पुरस्कृत अनुभव था। इस फिल्म का हिस्सा बनना एक सपने के सच होने जैसा है।गुडलक जेरी सबसे चतुर के जीवित रहने की कहानी है जब उसे दीवार पर धकेल दिया जाता है।

फिल्म में जान्हवी को दीपक डोबरियाल, मीता वशिष्ठ, नीरज सूद और सुशांत सिंह सहित एक शानदार पहनावा के साथ विनम्र लेकिन किरकिरा चरित्र के रूप में दिखाया गया है। रोमांटिक फंतासी नाटक अतरंगी रे की अभूतपूर्व सफलता के बाद, फिल्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार के साथ आनंद एल राय के दूसरे जुड़ाव को चिह्नित करती है।

निर्माता आनंद एल. राय ने कहा, गुडलक जेरी में, हमने नैतिक दुविधाओं और एक आम आदमी के अशांत जीवन के आसपास जीवन की मजबूरियों से एक अद्वितीय तालमेल बनाया।निर्देशक सिद्धार्थ सेन ने कहा, हमारे पास बहुत कम महिला-प्रधान कॉन-मेडी फिल्में हैं। इसलिए स्वाभाविक रूप से, इस फिल्म के साथ, हम असामान्य रूप से ज्ञात शब्द, कॉन मेन को फिर से परिभाषित करना चाहते थे। जान्हवी कपूर ने अपने चरित्र को पूरी तरह से चित्रित किया है।फिल्म की पल्प नोयर टोनलिटी दर्शकों के लिए कॉमेडी को एक नए आयाम में प्रस्तुत करती है, और मुझे आशा है कि उन्हें वह पसंद आएगा जो हमारे पास उनके लिए है। डिज्नी स्टार के कंटेंट, डिजनी प्लस हॉटस्टार और एचएसएम एंटरटेनमेंट नेटवर्क के प्रमुख गौरव बनर्जी ने कहा, हमारे ग्राहकों को वास्तव में अतरंगी रे पसंद आया और अब आनंद एक और फिल्म के साथ वापस आ गए हैं, जिसमें उनकी सभी ट्रेडमार्क ताकतें हैं- एक अनूठी दुनिया में अद्भुत चरित्र। हम आशा करते हैं कि आप जैरी बनने के बाद जान्हवी को शुभकामनाएं देंगी।यह फिल्म 29 जुलाई को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

संक्षिप्त समाचार

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मेघा टेम्भूरकर ने पदभार ग्रहण किया

धमतरी, 19 जुलाई 2022। 18 जुलाई को नव पदस्थ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मेघा टेम्भूरकर द्वारा धमतरी जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के पद पर पदभार ग्रहण किया गया। पदभार ग्रहण करते ही पुलिस अधीक्षक कार्यालय के समस्त अधिकारी /कर्मचारियों से मिलकर परिचय लिया गया एवं सभी को एक साथ टीम के रूप में कार्य करने के लिए निर्देश दिया गया। नव पदस्थ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को पुलिस अधीक्षक धमतरी प्रशांत ठाकुर ने दिये बधाई एवं शुभकामनाएँ दिये।

कोटेश्वर महादेव के दर्शन के लिए पहुंचे भाजपाई

नगरी, 19 जुलाई 2022। सावन के पहले सोमवार के अवसर पर कोटेश्वर महादेव पहुंच कर राष्ट्रीय मंत्री भाजपा किसान मोर्चा एवं पूर्व विधायक पिंकी शिवराज शाह एवं पूर्व विधायक श्रवण मरकाम ने पूजा अर्चना एवं दर्शन किए।

इस दौरान भाजपा के जिला मंत्री राजेंद्र गोलछा, भाजपा महिला मोर्चा के वरिष्ठ प्रतिमा देवांगन, जिला मंत्री प्रेमलता नागवंशी, भाजपा महिला मोर्चा की वरिष्ठ रामेश्वरी साहू,जनपद अध्यक्ष दिनेश्वरी नेताम,महिला मोर्चा के जिला महामंत्री हेमलता यादव, महिला मोर्चा के मंडल अध्यक्ष सुलोचना साहू, मंडल मंत्री चेलेश्वरी साहू,पार्षद विनीता कोठारी, मुरारी यदु सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

चिटफण्ड कम्पनी की भूमि को कुर्क करने आदेश जारी

धमतरी, 19 जुलाई 2022। चिटफण्ड कम्पनी जी.एन. गोल्ड लिमिटेड द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के निक्षेपकों के हितों का संरक्षण अधिनियम-2005 के अंतर्गत अपेक्षित जानकारी छिपाए जाने, साथ ही निक्षेपकों के हितों के विपरीत कार्य किए जाने और निक्षेपकों को धोखा देने के इरादे से सोच-समझकर कपटपूर्ण तरीके से कार्य करते हुए निक्षेपकों की निक्षेप राशि समय पर वापस न करने के कारण उक्त अधिनियम के नियम 7 कंडिका (1) के नियम (एक) एवं (दो) के तहत धारित भूमि को कुर्क करने का आदेश जिला दण्डाधिकारी एवं सक्षम प्राधिकारी पी.एस. एल्मा द्वारा जारी किया गया है। तत्संबंध में जारी किए गए आदेश में उल्लेख किया गया है कि उक्त कंपनी/वित्तीय स्थापना के सम्प्रवर्तक, भागीदार निदेशक, प्रबंधक या सदस्य की जिले की कुरूद तहसील के ग्राम मरौद में धारित भूमि जिसका कुल रकबा 0.80 हेक्टेयर है, को अंतःकालीन आदेश 29 नवंबर 2017 द्वारा कुर्क कर विशेष न्यायालय धमतरी के न्यायालय में आत्यांतिक बनाने हेतु वाद प्रस्तुत किया गया, जहां जिला दण्डाधिकारी एवं सक्षम प्राधिकारी द्वारा विविध आपराधिक प्रकरण जी.एन.गोल्ड लिमिटेड धमतरी के विरूद्ध दर्ज कर एवं 28 जून 2022 को पारित आदेश द्वारा उक्त अंतरिम कुर्की आदेश को आत्यांतिक (अंतिम) पुष्टि की गई है।

डॉ. खूबचंद बघेल जयंती :

सीएम बघेल ने डॉ.खूबचंद को किया याद

कहा-छत्तीसगढ़ महतारी के सच्चे सपूत थे डॉक्टर साहब

रायपुर, 19 जुलाई 2022। डॉ. खूबचंद बघेल की 122वीं जयंती हर साल की तरह इस साल भी धूमधाम से मनाई गई. प्रदेश के अनेक स्थानों पर भी डॉ. बघेल की जयंती मनाई जाती है. समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज डॉ. खूबचंद बघेल के योगदान को याद किया. उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार डॉ. खूबचंद बघेल के बताए रास्तों पर चल रही है. डॉक्टर साहब को हम सब एक महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, विचारक, लेखक, साहित्यकार, एक अच्छे राजनेता और छत्तीसगढ़ महतारी के सच्चे सपूत के रूप में जानते हैं. आज उनकी जयंती पर मैं उन्हें नमन करता हूं.

ये बातें उन्होंने फूल चौक में आयोजित डॉ. खूबचंद बघेल की जयंती समारोह में कही. सीएम ने वहां स्थित खूबचंद बघेल की मूर्ति पर माल्यार्पण भी किया. ये समारोह छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज के द्वारा आयोजित किया गया था. कार्यक्रम के दौरान महापौर एजाज ढेबर, पूर्व राज्यसभा सांसद छाया वर्मा, राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष किरणमयी नायक, जिला पंचायत अध्यक्ष डोमेश्वरी वर्मा समेत कुर्मी समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

सत्र के लिए हमारी तैयारी पूरी-सीएम

इस बीच पत्रकारों से चर्चा करते हुए सीएम भूपेश बघेल ने विधानसभा के मानसून सत्र को लेकर कहा कि कल से विधानसभा सत्र चालू होगा. इस मानसून सत्र में अनेक सवाल, ध्यानाकर्षण और स्थगन लगाए गए हैं. हमारी पूरी तैयारी है. इस संबंध में हमारी बैठक भी हो गई है. पूरी ताकत के साथ हमारे साथी जवाब देंगे.

केंद्र सरकार ने लोगों का जीना दूभर कर दिया-सीएम

वहीं खाद्य पदार्थो पर त्रस्ञ लागू होने पर मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की सरकार आम जनता के जेब में पैसे डालने का काम करती है. लेकिन केंद्र सरकार आम आदमी की जेब से कैसे पैसे निकालने का काम कर रही है. अब तो पनीर, दही सहित अन्य खाद्य पदार्थ जो रोज घरों में उपयोग होता है, उनमें भी त्रस्ञ लगा दिए हैं.केंद्र सरकार ने लोगों का जीना दूभर कर दिया है।

खाद्य पदार्थों पर जीएसटी:सीएम बघेल ने केंद्र सरकार पर कसा तंज,बोले-केंद्र ने लोगों का जीना दूभर कर दिया है

रायपुर। खाद्य पदार्थों पर जीएसटी लागू होने पर मुख्यमंत्री भूपेश ने केंद्र पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की सरकार आम जनता के जेब में पैसे डालने का काम करती है, लेकिन केंद्र सरकार आम आदमी की जेब से कैसे पैसा निकाला जाए, यह काम करती है। अब तो पनीर, दही सहित अन्य खाद्य पदार्थ जो रोज घरों में उपयोग होता है, उनमें भी जीएसटी लगा दिए हैं। केंद्र सरकार ने लोगों का जीना दूभर कर दिया है। वहीं गोमूत्र खरीदी को लेकर सीएम भूपेश बघेल ने कहा, हरेली के दिन इसकी खरीदी शुरू की जाएगी। बहुत सारे साथी हैं जो जैविक खेती करना चाहते हैं, ऐसे लोगों के लिए गोमूत्र से दवाई भी हम बनाएंगे। ताकि जैविक खेती को ज्यादा से ज्यादा बढ़ावा दिया जा सके। विधानसभा के मानसून सत्र को लेकर सीएम बघेल ने कहा, कल से विधानसभा सत्र चालू होगा। इस मानसून सत्र में अनेक सवाल, ध्यानाकर्षण और स्थगन लगाए गए हैं। हमारी पूरी तैयारी है। बैठक भी हमारी हो गई है। पूरी ताकत के साथ हमारे साथी जवाब देंगे।

नकली पुलिस बनकर लोगों से की लूट,2 अंतर्राज्यीय लूटेरे गिरफ्तार

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, 19 जुलाई 2022। जिले में 2 लोगों ने पुलिस बनकर व्यापारी को लूट लिया। व्यापारी से लुटेरों ने कह दिया कि हम पुलिस हैं, हमें पैसे चाहिए और पैसे छीनकर भाग गए थे। मगर पीड़ित को उन पर शक था। इसलिए उसने आस-पास के लोगों के साथ मिलकर इन लोगों का पीछा किया। जिसके बाद दो आरोपी पकड़े गए , तब पता चला कि इन्होंने फर्जी पुलिस बनकर लूट की है। मामला गौरेला थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, गौरला इलाके के लालपुर गांव में स्टेशन रोड पर प्रदीप कुमार गल्ले की दुकान चलाते हैं।

सोमवार की शाम वह दुकान बंद कर कहीं जा रहे थे। उसी दौरान 2 युवक बाइक से आए और व्यापारी से कहने लगे कि हम पुलिसवाले हैं। हमे पैसे चाहिए। जंगल के पास पकड़े गए व्यापारी कुछ कह पाता, दोनों ने उससे 6 हजार रुपए कैश छीने और भाग गए थे। लेकिन ये सब होने के बाद प्रदीप कुमार जोर-जोर से चिल्लाने लगा। आस-पास के लोग वहां पहुंच गए। इसके बाद दोनों बदमाशों का पीछा किया गया। फिर दोनों को किसी तरह से बरसावन के जंगल के पास से पकड़ लिया गया।

टीएस सिंहदेव,तबादला और वित्तीय अनियमित्ताओं के सवाल से गर्माएगा सदन

- छग विधानसभा का पावस सत्र होगा हंगामेदार
- पास होंगे आधा दर्जन विधेयक और 6 बैठकें

रायपुर, 19 जुलाई 2022। छत्तीसगढ़ विधानसभा का कल बुधवार 20 जुलाई 2022 को पावस सत्र प्रारंभ होगा। छह बैठकों के इस मानसून सत्र में कुल 894 सवाल लगे हैं। वहीं सत्र में आधा दर्जन विधेयक भी पास होंगे। लेकिन लगता नहीं कि विपक्ष बिना हंगामा बरपाए सत्तापक्ष को चैन से सत्र पूरा करने देगी। प्रदेश सरकार को किस मुद्दों पर घेरना है इसकी प्राथमिकता तय भी कर ली है। सूबे के कद्दावर मंत्री टीएस सिंहदेव के पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग के पद से खुद को अलहदा करने व 4 पन्ना का इस्तीफा देकर बैठे बिठाये खुद की सरकार को घेरने का मुद्दा दे दिया है। बता दें कि सिंहदेव प्रकरण से पूर्व भूपेश सरकार को घेरने के लिए विपक्ष के पास किसान, खाद, वित्तीय अनियमित्ताओं के अलावा तबादला जैसे घिसे पिटे विषय ही थे। मंत्री सिंहदेव के इस्तीफा मामले के बाद सत्र के पहले दिन ही प्रश्नकाल बेहद हंगामेदार करने का मूड विपक्ष बना चूका है। खैर, विपक्ष के सवालों से बचने की तैयारी तो विभागीय मंत्री कर लेंगे परंतु खुद के मंत्री के इस्तीफे और चार पन्नों के पत्र का क्या जवाब सरकार देगी ये ज़्यादा दिलचस्प होगा।

इन विधेयकों की सूचना

छत्तीसगढ़ रोजगार मिशन व राजीव मितान योजना हेतु उपकर राशि लिए जाने संशोधन विधेयक, छग निजी विश्वविद्यालय स्थापना एवं संचालन (संशोधन)विधेयक, छग पंचायत उपबंध (पैसा) नियम।, छग. विद्युत शुल्क अधिनियम 1949 में संशोधन विधेयक, छग.विनियोग विधेयक, छग. विस अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, नेताप्रतिपक्ष, विधायक एवं सदस्यों के वेतन भत्तों का संशोधन अधिनियम 1972 में संशोधन विधेयक, छग. भू- जल (प्रबंधन और विनियमन)विधेयक समेत चंद अन्य विधेयक शामिल हैं।

ज़्यादा हंगामा हुआ तो वक्त से पहले ना हो सत्र समाप्त

20 से 27 जुलाई के बीच 6 बैठकों और कुल 894 सवालों वाला छत्तीसगढ़ विधानसभा का मानसून सत्र पूर्व निर्धारित वक्त पर चले इसकी जिम्मेदारी विपक्ष और सत्तापक्ष पर भी निर्भर करेगा। खनिज, कृषि खाद, सहकारिता, जीएडी आबकारी समेत वित्त विभाग से सम्बंधित सवाल ज्यादा संख्या में पूछे गए हैं। ऐसे में इन सवालों के अलावा मंत्री के इस्तीफे पर गरमागरम बहस सत्र की बैठकों पर असर डालेगी। जानकारों की मानें तो सत्र वक्त से पहले ही न समाप्त हो जाये।

छत्तीसगढ़ के निजी विश्वविद्यालयों के लिए ये अनोखा फरमान:राजभवन से जारी हुआ निर्देश,दी गई ये हिदायत

रायपुर, 19 जुलाई 2022। छत्तीसगढ के निजी विश्वविद्यालयों को राजभवन की ओर से निर्देश जारी किया गया है. इसके अंतर्गत प्रदेश के सभी निजी विश्वविद्यालयों को स्वच्छता और पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित करने कहा गया है. जारी पत्र में विश्वविद्यालयों को कम से कम 100 पौधे लगाने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही इन आयोजनों में राज्यपाल को बुलाने का भी सुझाव दिया गया है। राज्यपाल के सचिव अमृत कुमार खलखो ने पिछले दिनों प्रदेश के 15 निजी विश्वविद्यालयों को एक पत्र जारी किया। इस पत्र में तीन बिंदुओं पर बात हुई। राज्यपाल के सचिव ने लिखा, विश्वविद्यालय परिसर को हरा-भरा और स्वच्छ रखने के साथ विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरुकता लाने के उद्देश्य से स्वच्छता एवं पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित करना है।

आयोजन की एक संक्षिप्त रिपोर्ट रंगीन फोटोग्राफ के साथ हार्ड कॉपी में इस सचिवालय को भिजवाना है। पत्र के तीसरे बिंदु में एक सुझाव है। राज्यपाल के सचिव की ओर से कहा गया है कि विश्वविद्यालय में आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए आपकी ओर से राज्यपाल महोदया को आमंत्रण पत्र विचारार्थ भेज सकते हैं।

तेज रफ्तार ट्रेलर की ठोकर से ट्रक में लगी आग, जिंदा जल गया ड्राइवर

बिलासपुर, 19 जुलाई 2022। सकरी क्षेत्र में बेलमुंडी के पास सड़क किनारे खड़े ट्रक को तेज रफ्तार ट्रेलर ने टक्कर मार दी। हादसे में ट्रेलर और ट्रक में आग लग गई। इससे ट्रेलर चालक की जलने से मौत हो गई। घटना की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुँचकर जांच शुरू कर दी है। मृतक ट्रक ड्राइवर की पहचान शिव यादव निवासी बिहार के रूप में हुई। यह खबर अभी-अभी ब्रेक हुई है. इस खबर को हम अपडेट कर रहे हैं. हमारी कोशिश है कि आपके पास सबसे पहले जानकारी पहुंचे. इसलिए आपसे अनुरोध है कि सभी बड़े अपडेट्स जानने के लिए इस पेज को रीफ्रेश कर लें. साथ ही हमारी अन्य स्टोरी पढ़ने के लिए देखते रहे जनता से रिश्ता.

अनियमित कर्मचारी 25 से 29 जुलाई तक रहेंगे सामूहिक अवकाश पर

रायपुर, 19 जुलाई 2022। अनियमित कर्मचारी 25 से 29 जुलाई को सामूहिक अवकाश पर रहेंगे। गोपाल प्रसाद साहू प्रांतीय संयोजक, ने बताया कि छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन द्वारा महगाई भत्ता, गृह भाडा तथा कांग्रेस पार्टी के जन घोषणा पत्र के बिंदु क्रमांक 11 एवं 30 में किये गए वादे के अनुरूप अनियमित, संविदा एवं दैनिक वेतनभोगी के नियमितीकरण एवं किसी भी अनियमित कर्मचारी की छटनी नहीं करने तथा आउट सोर्सिंग बंद करने की मांग के समर्थन में 25 से 29 जुलाई 2022 तक घोषित आन्दोलन कालम बंद-काम बंद हड़ताल में शामिल होंगें।

रवि गडपाले प्रांतीय अध्यक्ष कहा कि प्रदेश के लाखों अनियमित कर्मचारियों को नियमित करने एवं छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के 2 सूत्रीय मांग के समर्थन में छत्तीसगढ़ संयुक्त अनियमित कर्मचारी महासंघ, श्री कमल वर्मा प्रांतीय संयोजक, छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन द्वारा आयोजित में आन्दोलन तथा निर्धारित कार्यक्रम यथा 25 से 28 जुलाई जिला/ब्लाक/तहसील में धरना प्रदर्शन, 29 जुलाई को जिला मुख्यालय में धरना-प्रदर्शन, महारैली एवं मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन देने में अपनी सहभागिता प्रमुखता से निभाएगा।

भगवती शर्मा तिवारी, रीना दिल्लू, अजित नाविक, सूरज सिंह ठाकुर प्रांतीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं संजय सोनी संगठन मंत्री, धर्मेन्द्र वैष्णव, तारकेश्वर साहू मिडिया प्रबंधक छत्तीसगढ़ संयुक्त अनियमित कर्मचारी महासंघ ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का 10 दिन में नियमितीकरण का वादा जो साढ़े 3 साल में भी पूरा नहीं हुआ। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का वादा 1 साल बाद नियमितीकरण करेंगे, जो आज तक पूरा नहीं हुआ। पिछले 3 साल में नियमितीकरण के लिए गठित कमेटी की रिपोर्ट पूरी नहीं हुई है। पिछले 3 साल में सरकार कर्मचारियों का डाटा इकट्ठा नहीं कर पाई है। पिछले तीन विधानसभा सत्र में मुख्यमंत्री द्वारा नियमितीकरण की बात स्वीकार की गई लेकिन वादा आज भी अधूरा है। आउटसोर्सिंग बंद नहीं हुआ। कर्मचारियों को मिलने वाला वेतन वृद्धि रोक दिया गया है। घोषणा पत्र में छटनी नहीं करने का वादा था लेकिन कई विभागों से छटनियां कर दी गई है। इससे अनियमित कर्मचारियों में भारी आक्रोश है।

प्रेमप्रकाश गजेन्द्र प्रांतीय उपाध्यक्ष, श्री श्रीकांत लास्कर, सचिव, श्री देवी चंद्राकर संगठन मंत्री, सचिन शर्मा कार्यकारी अध्यक्ष, सुदेश यादव, भूपेंद्र साहू, ने अवगत कराया की वर्तमान सरकार असंवेदनशीलता ने हमें आन्दोलन करने मजबूर कर रहे है एवं आपके माध्यम से समस्त अनियमित कर्मचारियों से अपील है कि निर्धारित प्रारूप में व्यक्तिगत रूप से 5 दिवस अवकाश लेकर आयोजित आन्दोलन में सम्मिलित होवें।

कई सालों से एक ही जगह में जमे पटवारी और सचिव का होगा तबादला

बलौदाबाजार, 19 जुलाई 2022। कलेक्टर रजत बंसल ने राजस्व एवं पंचायत विभाग के कामकाज पर गहरी नाराजगी जताते हुए लंबे अरसे से एक ही स्थान में जमे पटवारियों एवं सचिवों के ट्रांसफर करनें के निर्देश सभी एसडीएम एवं जिला पंचायत सीईओ को दिए है। इसके साथ ही जिले में लगातार अवैध कॉलोनी की शिकायत पर जांच हेतु एडीएम राजेंद्र गुप्ता की अध्यक्षता में कमेटी का गठन करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने आज फिर समय सीमा की बैठक में 10 दिनों के भीतर समस्त विभाग के अधिकारियों को कामकाज में सुधार एवं छवि सुधारने के निर्देश दिए है। श्री बंसल ने दो टूक कहा कि सभी अधिकारी अपने अपने मुख्यालयों में ही निवास करें। इसके लिए उन्होंने सभी एसडीएम को निर्देशित किया है कि मुख्यालयों में सीईओ,सीएमओ,तहसीलदार सहित अन्य अधिकारियों का रात्रि निवास सुनिश्चित हो। नही तो अनुशात्मक कार्रवाई के लिए तैयार रहे। श्री बंसल ने समय-सीमा की बैठक में आज अधिकारियों की लम्बी बैठक लेकर जिले की सर्वांगीण विकास और लोगों का जीवन स्तर ऊंचा उठाने के लिए प्रस्तावित कार्य-योजना के अनरूप कार्य करनें के निर्देश दिए।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ गोपाल वर्मा,अपर कलेक्टर श्री राजेन्द्र गुप्ता सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। उन्होंने बैठक में कहा कि जिले की सभी गोठानों में गोबर की खरीदी शुरू होने चाहिए। हमारे जिले के लोगों को भी राज्य सरकार की महत्वपूर्ण योजना का फायदा जरूर मिलना चाहिए। खासकर किसी भी गरीब का काम ना रुके उस का विशेष ध्यान रखे। कलेक्टर श्री बंसल ने राज्य सरकार की फ्लेगशिप योजनाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को इनमें और अधिक बेहतर परिणाम के लिए दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कलेक्टर जनदर्शन में मिले आवेदन पर विस्तृत समीक्षा करतें हुए सभी जिला अधिकारियों को समय सीमा के भीतर लंबित आवेदनों पर कार्य करने के निर्देश दिए। सम्बंधित अधिकारी कर्मचारी ऐसे कार्यो को सर्वोच्च प्राथमिकता में लेते हुए समय सीमा के भीतर आवेदनों निराकारण करें। इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। साथ ही उन्होंने राज्य शासन की फ्लैगशिप योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पंहुचाने के निर्देश दिए है। उन्होंने मुख्यमंत्री शहरी स्वास्थ्य स्लम योजना,पौनी पसारी,श्री धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर, सुराजी गांव योजना,गौधन न्याय योजना,राजीव गांधी किसान न्याय योजना एवं उनका विस्तार,मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान, महतारी दुलार योजना,वन अधिकार पत्र वितरण जैसे अन्य योजनाओं का विस्तृत समीक्षा किए। उन्होंने कहा कि गौठानो को ग्रामीण आजीविका का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए है। इसके साथ ही सभी जिला अधिकारियों को अपने अपने स्तर में आवेदकों निराकरण करने के निर्देश दिए गए है।

भाटापारा की गंदगी पर हुई चर्चा कलेक्टर रजत बंसल ने भाटापारा में नियमित रूप से साफ सफाई नही होने की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए सीएमओ को कड़ी फटकार लगाई है। उन्होंने सभी प्रशासनिक अधिकारियों को सुबह 6 बजें से साफ सफाई करने निर्देश दिए है। एसडीएम नरेन्द्र बंजारा मॉनिटरिंग कर सुबह 6 बजे प्रतिदिन रिपोर्ट देने कहा है। उक्त बैठक में समस्त विभागों के जिला अधिकारी गण,सभी एसडीएम,सीईओ एवं अन्य विभागों के अधिकारी गण उपस्थित थे।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)